संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 352
पृष्ठ 8
शुक्रवार
13 सितम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पूरे दिन टस से मस नहीं...

विचार- मणिपुर में हिंसा की नयी लहर...

खेल- 'धोनी ने चार शतक लगाए थे...

अभाव और अशिक्षा समाज के सबसे बड़े दुश्मन : योगी

- जिन लोगों ने कभी गरीबी नहीं देखी, वो गरीबी के दंश को क्या समझ पाएंगे : मुख्यमंत्री
- अटल आवासीय विद्यालयों का होगा विस्तार
- बच्चों को उत्तम शिक्षा का माध्यम बनेंगे माध्यम अटल विद्यालय

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज स्थित अटल आवासीय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में एक साथ प्रदेश के सभी 18 अटल आवासीय विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2024–25 का शुभारंभ किया। इस दौरान सीएम योगी ने मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रवेशित विद्यार्थियों को स्कूल बैग के वितरण किए। वहीं, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने विपक्ष पर भी जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ये जाति के नाम पर लड़ाने वाले समाज में सामाजिक न्याय के नाम पर सामाजिक वैमनश्यता पैदा कर देश के दुश्मनों को प्रोत्साहित करने वाले लोग गरीबी के दंश को क्या झेल पाएंगे, क्या समझ पाएंगे। जिन्होंने शोषण अराजकता फैलाई, जिन्होंने गरीबी नहीं देखी हो, उनसे ये उम्मीद करना कि वह पीड़ा समझेंगे, यह भूल होगी। सीएम योगी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम मोदी ने आवाह्न किया था, देश के रजिस्टर्ड श्रमिको के बच्चों के लिए बेहतर करने का, उसी क्रम में यह कार्य हो रहा है। अशिक्षा और अभाव समाज के सबसे बड़े दुश्मन है, अभाव आता है अराजकता, भ्रष्टाचार, से जहां अभाव होगा वहां असुरक्षा होगी जंगलराज होगा। जब समाज को नेतृत्व न मिले तो अशिक्षा आती है, समाज में अशिक्षा से विकृतियां आती हैं। अटल जी ने अपने काव्यों में इन सबका उदग्र किया है। हम सब उन्हीं श्रद्धेय अटल जी की स्मृतियों को संजोते हुए इन आवासीय विद्यालयों को शुभारंभ करने जा रहे हैं, 18 मंडलों में संचालित हो रहे हैं। इसमें मेरठ, मिर्जापुर, वाराणसी, गोरखपुर, बांदा, आजमगढ़ सहित 18 मंडल शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान बिना किसी का नाम लिए विपक्ष पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि श्श ये जाति के नाम पर लड़ाने वाले समाज में सामाजिक न्याय के नाम पर सामाजिक वैमनश्यता पैदा कर देश के दुश्मनों को प्रोत्साहित करने वाले लोग गरीबी के दंश को क्या झेल पाएंगे, क्या समझ पाएंगे। जिन लोगों ने हमेशा शोषण किया, अराजकता फैलाई, कभी गरीबी नहीं देखी, उनसे उम्मीद करना कि वो बीओसी बोर्ड से जुड़े हुए रजिस्टर्ड श्रमिक या इन निराश्रित बच्चों जिन्होंने कोविड कालखंड में अपने माता–पिता या अभिभावक को खोया है, उनकी पीड़ा को समझ पाएंगे। उन लोगों के पास उसे समझने के लिए न समय है, न फुर्सत है, क्योंकि उनके अपने एजेंडे हैं। उनका एकमात्र एजेंडा और ध्येय राजनीतिक स्वार्थ के लिए लोगों को बांटना है। इसके अलावा उनको कुछ भी नहीं दिखाई देता। ये चाहते हैं कि एक गरीब कभी गरीबी, अभाव और अशिक्षा से मुक्त न होने पाए। अगर हो जाएगा तो इनके बंटवारे और सामाजिक वैमनश्यता की राजनीति पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। इसलिए येन केन प्रकारेण ये लोग समाज को विभाजन की कगार पर पहुंचाना चाहते हैं। यही कारण है कि सरकारें पहले भी थीं, पैसा पहले भी था, लेकिन गरीबों के बच्चों के लिए शिक्षा का प्रबंध नहीं किया गया। आज बिना भेदभाव किए सब को शिक्षा प्राप्त हो रही है।

मोदी सरकार के 95 दिन के कार्यकाल का अंजाम भुगत रहा है देश : खडगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तीसरे कार्यकाल के पिछले 95 दिन में जो कुछ करगुजरियां रही हैं देश उनका खूब अंजाम भुगत रहा है। श्री खडगे ने ट्वीट कर प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए कहा नरेंद्र मोदी जी आपने चुनाव के पहले ही 100 दिनों के एजेंडा का ढिंढ़ोरा ज़ोर–शोर से पीटा था। अब 95 दिन हो गए हैं और आपकी मिली–जुली सरकार डगमगा रही है। उन्होंने सरकार की 95 दिन के कामकाज का जिक्र करते हुए कहा थ्थोड़ा रिकैप हो जाए – ग़रीब व मध्यम वर्ग की कमर तोड़ने के लिए आपकी सरकार जनविरोधी बजट लाई। जम्मू–कश्मीर, ख़ासकर जम्मू में आतंकवादी हमले हुए, सेना के कई बहादुरों को शहादत देनी पड़ी। गत 16 महीनें से मणिपुर जल रहा है और प्रधानमंत्री जी ने वहां मुड़ कर भी नहीं देखा। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा मोदी अडानी महाघोटाले में जो सेबी चेयरपर्सन की भूमिका और अन्य आर्थिक लेन–देन सामने आएं हैं, उससे भाजपा पीछा नहीं छुड़ा सकती। नीट पेपर लीक घोटाला हो या भयंकर बेरोज़गारी के भगदड़ भरे दृश्य, मोदी सरकार ने युवाओं को हर दिन धोखा ही दिया। महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा हो, या हवाई अड्डों की छत, नई संसद हो या अयोध्या में भगवान का मंदिर, ईवे, पुल, सड़क, सुरंग जो भी बनाने का दावा किया, सब में खामियाँ निकली। रेल सुरक्षा भी तार–तार हो गई है। कई शहरों में बाढ़ जैसे हालात हैं और राज्यों को पर्याप्त बाढ़ राहत नहीं दी गई है।ष उन्होंने कहा जनता और इंडिया गठबंधन के दलों के चलते आपको वक्फ़ बिल जेपीसी के हवाले करना पड़ा, यूपीएस वाला 'यू टर्न लेना पड़ा, लेटरल एंट्री पर संविधान का साथ देना पड़ा।

गणपति विसर्जन पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, एनजीटी के आदेश पर लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान 'ढोल–ताशा' समूहों में लोगों की संख्या 30 तक सीमित करने के एनजीटी के निर्देश पर रोक लगा दी। शीर्ष अदालत ने आदेश सुनाते हुए कहा कि उन्हें ढोल–ताशा करने दीजिए, यह पुणे का दिल है। इससे पहले एनजीटी ने गणेश उत्सव

के दौरान सामूहिक प्रदर्शन में संख्या सीमित कर दी थी। एनजीओ ने सीजेआई के सामने एनजीटी के 30 अगस्त के आदेश को उठाते हुए कहा, एनजीटी पुणे में गणपति के विसर्जन के लिए ढोल ताशा समूह में लोगों की संख्या को प्रतिबंधित करने का लिखित आदेश दिया है। एनजीटी ने गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए लोगों की संख्या कैसे सीमित कर सकता है? एनजीटी के आदेश के खिलाफ पुणे स्थित ढोल–ताशा समूह की याचिका पर दोपहर 2 बजे सुनवाई करने का फैसला करते हुए, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने राज्य के अधिकारियों को भी नोटिस जारी किया। वकील अमित पई ने कहा कि सौ वर्षों से अधिक समय से पुणे में श्ढोल–ताशाश का बहुत ''गहरा सांस्कृतिक महत्व'' रहा है और इसकी शुरुआत लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने की थी।

सीताराम येचुरी का निधन

- राहुल गांधी, ममता बनर्जी और अन्य ने वामपंथी दिग्गज के निधन पर शोक जताया

सीतराम येचुरी की बॉडी AIIMS को डोनेट, निधन के बाद परिवार का फैसला

सीतराम येचुरी के परिवार ने शिक्षण और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए उनके शरीर एम्स को दान कर दिया। एम्स द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि 72 वर्ष के सीताराम येचुरी को निमोनिया के कारण 19 अगस्त 2024 को एम्स में भर्ती कराया गया था और 12 सितंबर 2024 को दोपहर 3:05 बजे उनका निधन हो गया। परिवार ने उनका शरीर शिक्षण और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए एम्स को दान कर दिया है। सीपीआई (एम) के महासचिव और पूर्व राज्यसभा सांसद का लंबी बीमारी के बाद 72 साल की उम्र में गुरुवार को निधन हो गया।

नई दिल्ली, एजेंसी। सीपीआई(एम) नेता सीताराम येचुरी, जिन्हें लंबी बीमारी के बाद दिल्ली के एम्स में भर्ती कराया गया था, का गुरुवार को निधन हो गया, समाचार एजेंसी पीटीआई ने पार्टी और अस्पताल के सूत्रों के हवाले से बताया। गौरतलब है कि येचुरी को निमोनिया जैसे सीने के संक्रमण के इलाज के लिए 19 अगस्त को एम्स में भर्ती कराया गया था। निधन के समय सीताराम की उम्र 72 वर्ष थी। सीताराम पिछले कुछ दिनों से श्वसन सहायता पर थे और डॉक्टरों की एक बहु–विषयक टीम द्वारा उनका इलाज किया जा रहा था। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के वरिष्ठ नेता सीताराम येचुरी के निधन पर शोक जताया है और कहा है कि वे भारत के विचार के रक्षक थे और हमारे देश की गहरी समझ रखते थे। एक्स को संबोधित करते हुए गांधी ने लिखा, ष्सीताराम येचुरी जी एक मित्र थे। भारत के विचार के रक्षक थे और हमारे देश की गहरी समझ रखते थे। मुझे हमारी लंबी चर्चाओं की कमी खलेगी। दुख की इस घड़ी में उनके परिवार, दोस्तों और अनुयायियों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी येचुरी के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि उनका निधन राष्ट्रीय राजनीति के लिए एक क्षति होगी। एक्स से बातचीत करते हुए बनर्जी ने लिखा, ष्यह जानकर दुख हुआ कि श्री सीताराम येचुरी का निधन हो गया है। मैं उन्हें एक अनुभवी सांसद के रूप में जानती थी और उनका निधन राष्ट्रीय राजनीति के लिए एक क्षति होगी। मैं उनके परिवार, मित्रों और सहकर्मियों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूँ। 72 वर्षीय येचुरी का गुरुवार को नई दिल्ली के एम्स में श्वसन पथ के संक्रमण से जूझने के बाद निधन हो गया। अपने मिलनसार व्यक्तित्व और उदार राजनीतिक रुख के लिए जाने जाने वाले येचुरी हाल के वर्षों में वामपंथ के सबसे पहचाने जाने वाले चेहरों में से एक थे।

तमिलनाडु में कार और लॉरी की टक्कर में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत

चेन्नई, एजेंसी। एक दुखद घटना में, तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में विल्लुपुरम–नागापट्टिनम राष्ट्रीय राजमार्ग पर चिदम्बरम पी. पुतलूर बाहरी रिंग रोड पर गुरुवार सुबह एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई जब उनकी कार एक लॉरी से टकरा गई। मृतकों में दो महिलाएं और एक दो वर्षीय बच्चा भी शामिल है। पुलिस सूत्रों ने कहा

कि ट्रक चिदंबरम से कुड्डालोर जा रहा था और कार में सवार पीड़ित चेन्नई के एक अस्पताल में इलाज करा रहे अपने रिश्तेदार को देखने के बाद मयिलादुथुराई जिले के कुथालम जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। तेज गति के कारण हुए टक्कर का प्रभाव ऐसा था कि कार एक टूटी–फूटी ढेर में तब्दील हो गई। खबरों के अनुसार, कार चालक को नींद आ गई थी, जिससे यह हादसा हुआ। ट्रक चालक घटनास्थल से फरार हो गया और उसे पकड़ने के लिए तलाश जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एस.लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स

OPD

नेत्र रोग विशेषज्ञ

डा. आर.के. श्रीवास्तव

समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)

स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

डा. शिखा माथुर

प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक

जनरल फिजिशियन

डा. कार्तिकेय

समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन

पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

हिंदी दिवस के पावन अवसर पर

हिन्दी हमारी मातृभाषा---

प्रोफेसर मिथिलेश कुमार त्रिपाठी

हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा एवं माध्यम भाषा है। लेकिन,वह इन सबसे बढ़कर सबसे पहले करोड़ें भारतीयों की मातृभाषा है। मातृभाषा का शाब्दिक अर्थ है श्माता की भाषाश। अभिप्राय यह है कि शिशु को माता से विरासत के रूप में मिलने वाली भाषा को श्मातृभाषाश कहते हैं। जिस भाव–विनिमय या अभिव्यक्ति– माध्यम को कोई शिशु गर्भकाल में अपनी मॉ से जाने–अनजाने सीखता एवं प्राप्त करता है, वह उसकी मातृभाषा होता है। जिस क्षण कोई प्राणिबीज मातृकुक्षि में आकर जीवन की शुरुआत करता है,उसी समय से उसका माता की मातृभाषा में अव्यक्त–मूक संवाद शुरू हो जाता है। यह संवाद भावात्मक होता है। संपूर्ण गर्भकाल तक माता एवं शिष्य के बीच जिस वाणी में संवाद होता है, वही उसकी अविभाज्य मूल जीवन– भाषा बन जाती है। इस संवाद में प्रधानता होती है वात्सल्य आदि भावना की।इसलिए माता की मूक संवाद–भाषा शिशु की भावना में उत्तर कर अपनी प्रकृति के अनुसार उसके व्यक्तित्व का निर्माण करती है और किसी भी परिस्थिति में क्षीण नहीं पड़ती, क्योंकि जीवन–भर जीवन का संचालन भावना से होता है। हम भारतीयों की मातृभाषा देववाणी संस्कृत की विकास–परम्परा में विकसित हिन्दी है। अपनी मातृभाषा को शिक्षा का माध्यम बनाकर ही कोई राष्ट्र सर्वांगीण विकास कर सकता है। यदि हिन्दी शुरू से ही शिक्षा का माध्यम रही होती तो आज भारत विकास में विश्व से बहुत आगे निकल गया होता। ऐसी स्थिति में भारत जो अप्रत्याशित विकास करता उससे वर्तमान विश्व का कितना कल्याण होता, इसका अनुमान भी नहीं किया जा सकता। शिक्षा–माध्यम के लिए मातृभाषा कितनी उपयोगी होती है, इसकी व्यंजना गोस्वामी तुलसीदास जी ने श्री रामचरितमानस में ष्गरुड़–मोहष प्रसंग के द्वारा की है। वहॉ उल्लेख है कि युद्ध में मेघनाथ द्वारा श्री राम को नागपाश में बॅधा हुआ देखकर गरुड़ को मोह हो जाता है कि ये कैसे ब्रह्म हैं कि इन्हें साधारण राक्षस ने नागपाश में बॉध लिया और बन्धन–मुक्त होने के लिए मेरी सहायता की आवश्यकता पड़ी। इस मोह से उद्धार के लिए उन्हें ब्रह्मा से प्रेरित होकर भगवान शंकर के पास जाना पड़ा। भगवान शंकर ने उन्हें कागभुशुण्डि के पास भेज दिया। मॉ पार्वती द्वारा यह पूछे जाने पर कि सक्षम–समर्थ होने के बावजूद आपने उन्हें मोह–मुक्त क्यों नहीं किया, तो भगवान शंकर ने कारण बताते हुए कहा–ष्समुझइ खग खगही की भासाष। भगवान के कहने का आशय यह है कि गरुड़ शिक्षार्थी बनकर आए थे और शिक्षार्थी को शिक्षा सदैव उसकी मातृभाषा में दी जानी चाहिए। पक्षी को पक्षी की भाषा में पक्षी ही समझा सकता है। ध्वन्यार्थ यह है कि भारतवासियों की शिक्षा का माध्यम भारत की मातृभाषा होनी चाहिए, अन्य कोई भाषा नहीं। दूसरा संकेत यह है कि तुलसी के समय के जनमानस पर अरबी–फारसी भाषा थोपी जा रही थी। लोग उसकी ओर आकर्षित भी हो रहे थे। इसलिए गोस्वामी तुलसीदास जी को यह संदेश व्यंजित करना पड़ा कि यदि भ्रम से बाहर निकल कर अपना सर्वांगीण विकास करना है तो अपनी मातृभाषा को ही शिक्षा का माध्यम बनाने में भलाई है। आज हिन्दी भारत की मातृभाषा,राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, एवं माध्यम भाषा है। हिन्दी की उन्नति में ही राष्ट्र की उन्नति निहित है। वह राष्ट्रीय अस्मिता की संवाहिका है। उसकी लिपि देवनागरी है जो विश्व की सबसे वैज्ञानिक लिपि है और जिसमें सभी प्रकार की ध्वनियों के अंकन की क्षमता है। देववाणी संस्कृत की ज्येष्ठ सुता होने के कारण हिंदी को माता संस्कृत की सारी विशेषताएं विरासत में प्राप्त हुई हैं। वह भारत की संपूर्ण सांस्कृतिक संपदा और राष्ट्रीय अस्मिता का संवहन उसी प्रकार कर रही है,जिस प्रकार प्राचीन भारत में संपर्क भाषा के रूप में संस्कृत यह काम करती थी। आज हिन्दी प्राचीन भारतीय शास्त्र–ज्ञान और लोक– परंपराओं को संस्कृत की ही भांति प्रत्येक अगली पीढ़ी को निरन्तर पहुँचा रही है। हिन्दी भारत की पहचान के साथ–साथ उसकी जीवन–शक्ति भी है। उससे कटने का अर्थ है अपनी अमर प्राण–चेतना से कट जाना। हिन्दी के अतिरिक्त किसी अन्य भाषा का व्यवहार करने से हम न केवल प्राचीन भारतीय ऋषि–महर्षियों की सनातन ज्ञान–परंपरा से वंचित हो जाएंगे, बल्कि अपनी अथाह सांस्कृतिक संपदा को भी विनष्ट कर देंगे। राष्ट्रीय अस्मिता की रक्षा के लिए हिन्दी भाषा का समादर–सहित व्यवहार करना प्रत्येक भारतवासी का नैतिक कर्तव्य है। हमें हिन्दी का व्यवहार करते समय लज्जा का नहीं, गर्व का अनुभव होना चाहिए।

महाकुंभ 2025: किन्नर अखाड़े का होगा भव्य विस्तार, पांच नए शिविरों के लिए मेला प्राधिकरण से जमीन की मांग

प्रयागराज। महाकुंभ–2025 मेले के दौरान किन्नर अखाड़े का विस्तार होगा। इस बार किन्नरों ने पांच शिविर लगाने की तैयारी की है। इसके लिए मेला प्राधिकरण से जमीन मांगी है। शिविर बढ़ने के साथ ही अब इनकी संख्या 250 से 300 हो गई है। किन्नर अमूमन संत–महात्माओं से दूर ही रहते थे। शुरुआत में किन्नरों का अखाड़ा परिषद ने विरोध भी किया था। धीरे–धीरे विरोध शांत हुआ और किन्नर अखाड़ा का विस्तार होने लगा है। पहली बार 2016 के उज्जैन कुंभ मेले के दौरान लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को महामंडलेश्वर की उपाधि दी गई थी। महामंडलेश्वर बनने के बाद उन्होंने किन्नर अखाड़ा बनाया। अखाड़ा बनने के बाद किन्नर जुड़ने लगे। वर्ष 2017 के माघ मेले में उन्होंने पहली बार प्रयागराज में शिविर लगाया। उस समय उनके साथ 40–50 किन्नर ही थे। उसके बाद से वह लगातार माघ मेले में शिविर लगाने लगे। कुंभ–2019 के दौरान किन्नर अखाड़ा का जूना समझौता हो गया। दोनों एक दूसरे के कार्यक्रम में हिस्सा लेने लगे, लेकिन कुछ अखाड़े इसके विरोध में थे। कुंभ के दौरान किन्नर अखाड़ा की स्वीकार्यता बढ़ी। किन्नरों ने शहर में भव्य रोड शो निकाला था। उनके शिविर में भक्तों की भीड़ उमड़ने थी। इसी बीच महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने देशभर के कई किन्नरों को महामंडलेश्वर बना दिया। उत्तर प्रदेश किन्नर वेलफेयर बोर्ड का गठन किया गया। उसमें किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि टीना मां को सदस्य बनाया गया। उन्होंने वर्ष 2023 के माघ मेले में अलग से शिविर लगाया था। पहले की तरह किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी का शिविर रहेगा। इनके अतिरिक्त किन्नर कल्याण परिषद की महामंडलेश्वर स्वामी भवानी नाथ गिरि, पशुपतिनाथ पीठाधीश्वर व कथावाचक महामंडलेश्वर स्वामी हिमांगी सखी मां का अलग शिविर रहेगा। यह निर्मोही अखाड़ा से भी जुड़ी हुई हैं। महामंडलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि छोटी मां और एक अन्य ने भी शिविर के लिए जमीन की मांग की है।

प्रयागराज में रिपोर्ट लगाने के लिए लेखपाल ने ली रिश्वत: जमीन के मामले में आख्या देनी थी, 4000 रुपए घूस लेते वीडियो सामने आया

प्रयागराज। प्रयागराज में पुलिस प्रशासनिक कर्मचारियों के रिश्वत लेने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। पहले कानूनगो फिर इंस्पेक्टर को रिश्वत लेते विजिलेंस ने अरेस्ट किया। अब ताजा मामला एक लेखपाल की रिश्वतखोरी का सामने आया है।

फूलपुर तहसील के नेवादा गांव के लेखपाल रिश्वत लेते वीडियो सामने आया है। जमीन के एक मामले में रिपोर्ट लगाने के नाम पर लेखपाल किसान से 4000 रुपये रिश्वत ले रहा है। नोटों को थामते हुए वह साफ वीडियो में नजर आ रहा है। नेवादा गांव के एक किसान की नेवादा चौराहे पर 2 बिस्वा जमीन का रजिस्ट्री है। जमीन के बगल के हिस्सेदार द्वारा आपत्ति की गई तो एसडीएम फूलपुर के यहां एक प्रार्थना पत्र दिया। किसान के प्रार्थना पत्र पर एसडीएम का आदेश होने के बाद भी लेखपाल ने आख्या नही लगाई। आख्या लगवाने के नाम पर किसान से 4000 रुपये वसूले गए। चार हजार लेने के बाद और रुपये डिमांड की जा रही है।

उपभोक्ता से अभद्रता करने पर हटाए गए जेई

प्रयागराज। गंगापार के मऊआइमा में उपभोक्ता के साथ अभद्रता करने के आरोप में बिजली विभाग के अवर अभियंता को हटा दिया गया। गंगापार के अधीक्षण अभियंता सौरभ गौतम ने अवर अभियंता संतोष कुमार अभियंता को मऊआइमा से हटाकर हेतापट्टी भेज दिया है। अवर अभियंता ने मऊआइमा के मानिउमपुर के रहने वाले अमित सिंह पटेल के घर पर बकाया बिजली का बिल वसूलने गए गए थे। अमित ने अपने बच्चे के बीमार होने की बात कहकर दो दिन की मोहलत देने की मांग की। उपभोक्ता को मोहलत देने के लिए फूलपुर के सांसद प्रवीण सिंह पटेल के निजी सचिव राजीव मिश्रा ने अवर अभियंता से बात की। इसके बाद भी उपभोक्ता को मोहलत नहीं दी गई। राजीव ने अवर अभियंता की शिकायत जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल से की। निजी सचिव ने जिलाधिकारी को बताया कि अवर अभियंता ने मोहलत न देकर अमित को अपशब्द कहा और लाइट काट दी। अवर अभियंता के साथ गए बिजलीकर्मी केबिल भी उठा ले गए। जिलाधिकारी के पास शिकायत पहुंचने के बाद अधीक्षण अभियंता ने अवर अभियंता को मऊआइमा से हटा दिया।

जाति के लिए नहीं...छात्रों के कल्याण के लिए हैं विश्वविद्यालय, समारोह में बोलीं राज्यपाल आनंदीबेन

प्रयागराज। प्रयागराज उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय किसी जाति विशेष के लिए नहीं होते, बल्कि लाखों–करोड़ों छात्रों के विकास और कल्याण के लिए होते हैं। समारोह में राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों का उद्देश्य सभी जातियों, पंथों और समुदायों के छात्रों को समान अवसर प्रदान करना है और शिक्षा को चहारदीवारी से बाहर निकालकर आंगनबाड़ी तक पहुंचाना चाहिए। राज्यपाल ने समारोह में अपने संबोधन में जातिगत आधार पर विश्वविद्यालयों में आंतरिक समूहों की शिकायतों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ष्हम सब भारत माता की संतान हैं, और यही हमारी जाति है। हमें एक भाव से काम करना चाहिए। केवल इस तरह से हम अच्छा काम कर पाएंगे। उन्होंने शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह आवश्यक है कि शिक्षा को रोजगार और कौशल से जोड़ा जाए। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को इंडस्ट्री के साथ इंटर्नशिप के माध्यम से जुड़ने का महत्व समझाया और भारत सरकार द्वारा तैयार की गई योजनाओं का उल्लेख किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में शिक्षार्थियों की संख्या पर असंतोष व्यक्त किया, विशेषकर कानपुर और लखनऊ क्षेत्रीय केंद्रों में जहां संख्या 100 से भी कम है। उन्होंने कहा कि यह संख्या बहुत कम है और इसे बढ़ाया जाना चाहिए। कुल 80 हजार नामांकित शिक्षार्थियों की संख्या को भी बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके अतिरिक्त, राज्यपाल ने समर्थ पोर्टल के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि इसके लागू होने से विश्वविद्यालयों की प्रवेश प्रक्रिया पर होने वाले सालाना 200 करोड़ रुपये के खर्च में बचत होगी। उन्होंने कहा कि समर्थ पोर्टल पर अब तक हुए काम की समीक्षा 15–20 दिनों के भीतर ऑनलाइन की जाएगी। राज्यपाल की टिप्पणियों और निर्देशों के माध्यम से स्पष्ट हो गया है कि वे शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और विकास को लेकर गंभीर हैं, और इसका उद्देश्य सभी छात्रों को समान अवसर प्रदान करना है।

सर्वाधिक 12124 दी गई एमए की डिग्री

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में एमएससी में 850, एमलिब के 313, मास्टर ऑफ जर्नलिज्म के 24, मास्टर जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन के 153, एमए के 12124, एमकाम के 679, एमसीए के 35, एमबीए के 199 अभ्यर्थियों को उपाधि मिली। बीए में 4841, बीकाम में 445, बीबीए में 54, बीएड में 517, बैचलर इन टूरिज्म के 33, बीलिब के 833, बीएड स्पेशल एजुकेशन के 353, बीएससी के 1295 एवं बीसीए के 107 अभ्यर्थियों को उपाधि मिली। वहीं स्नातकोत्तर डिप्लोमा में योग में 380, पत्रकारिता एवं जनसंचार में 122, अनुवाद में 33, व्यावसायिक निर्देशन व कैरियर परामर्श में 61, कंप्यूटर अनुप्रयोग में 42, मानव संसाधन विकास व ग्रामीण पत्रकारिता में चार–चार, शैक्षिक प्रशासन, मार्केटिंग मैनेजमेंट, ग्रीन सोशलवर्क, हास्पिटल मैनेजमेंट, कृषि प्रसार, दूरस्थ शिक्षा, उत्पादन प्रबंधन व अंतरराष्ट्रीय विपणन में एक–एक, शैक्षिक प्रशासन में 10, आध्यात्मिक पर्यटन, वित्तीय प्रबंधन में पांच–पांच, पर्यावरण एवं सतत विकास, फिल्म प्रोडक्शन, थेरेप्यूटिक न्यूट्रीशन, हिंदी रचनात्मक लेखन में दो–दो, रिमोट सेंसिंग में 24 को उपाधि मिली।

नमामि गंगे के सदस्य ने निर्माणाधीन घाट देखें

प्रयागराज। नमामि गंगे के सदस्य पुरुषोत्तम डांगे ने बुधवार को महेवा घाट, सरस्वती घाट, किला घाट, दशाश्वमेध घाट और रसूलाबाद घाटों का निरीक्षण किया। घाटों के निर्माण की पूरी जानकारी ली। सदस्य ने सिंचाई विभाग (बाढ़ प्रखंड) इंजीनियरों को महाकुम्भ से पहले गुणवत्ता के साथ घाटों का निर्माण पूरा करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान सिंचाई विभाग (बाढ़ प्रखंड) के अधिशासी अभियंता दिग्विजय नारायण शुक्ला के साथ सहायक और अवर अभियंता मौजूद रहे।

वंदे भारत में पहले दिन स्कूली बच्चों को कराया जाएगा फ्री सफर, रेलवे करेगा खाने-पीने की भी व्यवस्था

प्रयागराज। आगरा कैंट से बनारस के लिए शुरू हो रही वंदे भारत और वाराणसी–नई दिल्ली वंदे भारत में पहले दिन स्कूली बच्चों को फ्री सफर कराया जाएगा। रेलवे प्रयागराज से बच्चों को वाराणसी तक ले जाने और वापस लाने के अलावा खाने–पीने की भी व्यवस्था करेगा। हालांकि, अभी तय नहीं है कि प्रयागराज से कितने स्कूली बच्चों को सफर कराया जाएगा। आगरा कैंट से बनारस के लिए वंदे भारत की शुरुआत 15 सितंबर से हो रही है। उसी दिन वाराणसी–नई दिल्ली वंदे भारत में भी 16 की जगह 20 कोच लगाए जा रहे हैं। 15 को यह दोनों ही ट्रेनों को स्पेशल ट्रेन के रूप में चलेगी। दोनों वंदे भारत भगवा रंग की होगी। वाराणसी–नई दिल्ली वंदे भारत 15 को स्पेशल ट्रेन के रूप में प्रयागराज आएगी, फिर यहीं से वापस वाराणसी चली जाएगी। इसमें प्रयागराज से स्कूली बच्चों को सफर कराया जाएगा। वापसी में उन्हें वाराणसी से प्रयागराज तक दूसरी ट्रेन से लाया जाएगा। इसी तरह आगरा से बनारस के बीच शुरू हो रही वंदे भारत में भी स्कूली बच्चों के साथ स्काउट गाइड आदि के सदस्यों को फ्री सफर कराया जाएगा। इसके लिए रेलवे विशेष पास भी जारी करेगा। आठ कोच की आगरा वंदे भारत में 530 सीटें रहेंगी। इसमें चेयर कार की 478 एवं एग्जीक्यूटिव क्लास की 52 सीटें रहेंगी। इसी तरह वाराणसी–नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस में चेयरकार की 312 सीट बढ़ने के बाद कुल सीटों की संख्या 1,440 हो जाएगी। इसमें 104 सीटें एग्जीक्यूटिव क्लास की भी शामिल है। अभी इस ट्रेन में सभी श्रेणियों की 1,128 सीटें ही हैं। रेलवे की तैयारियां पूरी है। वंदे भारत के नोटिफिकेशन जारी होते ही आधिकारिक रूप से पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया जाएगा।

प्रतियोगिता कला के प्रति छात्रों की रुचि को करती है प्रोत्साहित

प्रयागराज। एंग्लो बंगाली इंटरमीडिएट कॉलेज के 150वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को अन्तर्विद्यालयी चित्रकला

प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शहर के कई प्रमुख विद्यालयों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्य स्वास्तिक बोस ने कहा कि यह प्रतियोगिता न केवल कला के प्रति छात्रों की रुचि को प्रोत्साहित करती है, बल्कि उनके रचनात्मक और सृजनशील विकास में भी सहायक सिद्ध होती है। बृजेश गुप्ता ने प्रतियोगिता के आयोजन और सफलता के लिए सभी सहयोगियों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर शिक्षक, यशवंत सिंह, विजय बहादुर, स्मिता दत्ता आदि मौजूद रहे।

गांवों की अपेक्षा शहर में चार गुना अधिक फैल रहा डेंगू

प्रयागराज। बारिश के मौसम में मच्छर डेंगू और मलेरिया जैसी घातक बीमारियां फैला रहे हैं। पिछले दो साल से जिले में डेंगू का प्रकोप ज्यादा बढ़ा है। सरकारी आंकड़े भले ही कुछ कहें, लेकिन हर साल जुलाई से लेकर अक्तूबर तक हजारों लोग डेंगू से पीड़ित होते हैं और कई लोगों की मौत भी हो जाती है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. आनंद सिंह के अनुसार टीम की ओर से किए जा रहे सर्वे के दौरान मच्छरों के पनपने में कूलर, रेफ्रिजरेटर, पुराने टायर, गमला, आदि सबसे मुफीद जगह बन रहा है। इस साल जनवरी से अगस्त तक मिले डेंगू के 30 मरीजों में 12 मरीज केवल नैनी, सिविल लाइंस और हाईकोर्ट पानी टंकी के पास के हैं। इन तीनों स्थान पर डेंगू के चार–चार मरीज मिले हैं।

सर्वाधिक 12124 दी गई एमए की डिग्री

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में एमएससी में 850, एमलिब के 313, मास्टर ऑफ जर्नलिज्म के 24, मास्टर जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन के 153, एमए के 12124, एमकाम के 679, एमसीए के 35, एमबीए के 199 अभ्यर्थियों को उपाधि मिली। बीए में 4841, बीकाम में 445, बीबीए में 54, बीएड में 517, बैचलर इन टूरिज्म के 33, बीलिब के 833, बीएड स्पेशल एजुकेशन के 353, बीएससी के 1295 एवं बीसीए के 107 अभ्यर्थियों को उपाधि मिली। वहीं स्नातकोत्तर डिप्लोमा में योग में 380, पत्रकारिता एवं जनसंचार में 122, अनुवाद में 33, व्यावसायिक निर्देशन व कैरियर परामर्श में 61, कंप्यूटर अनुप्रयोग में 42, मानव संसाधन विकास व ग्रामीण पत्रकारिता में चार–चार, शैक्षिक प्रशासन, मार्केटिंग मैनेजमेंट, ग्रीन सोशलवर्क, हास्पिटल मैनेजमेंट, कृषि प्रसार, दूरस्थ शिक्षा, उत्पादन प्रबंधन व अंतरराष्ट्रीय विपणन में एक–एक, शैक्षिक प्रशासन में 10, आध्यात्मिक पर्यटन, वित्तीय प्रबंधन में पांच–पांच, पर्यावरण एवं सतत विकास, फिल्म प्रोडक्शन, थेरेप्यूटिक न्यूट्रीशन, हिंदी रचनात्मक लेखन में दो–दो, रिमोट सेंसिंग में 24 को उपाधि मिली।

4 हजार करोड़ के GST स्कैम के 55 आरोपी:इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका, कहा- सीरियस मैटर है

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 4000 करोड़ रुपए से अधिक के GST फ्रॉड के दर्जनों आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी। अब आरोपी रिहा नहीं किए जाएंगे। केस की सुनवाई न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने की। गौतमबुद्धनगर के राजीव जिंदल समेत 55 अन्य की जमानत अर्जियों को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा– जमानत देते समय अदालत को अपराध की प्रकृति, साक्ष्य की विश्वसनीयता, दंड की संभावना, अभियुक्त का आचरण और परिस्थितियां, मुकदमे में अभियुक्त की उपस्थिति सुनिश्चित करना, गवाहों को प्रभावित कर सकने की संभावना, आम जनता और राज्य का व्यापक हित आदि तमाम बातों पर विचार करना होता है। मालूम हो कि सीनियर जर्नलिस्ट सौरभ द्विवेदी ने नोएडा के सेक्टर–20 थाने में थ्प्त् दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि मेरी फर्जी प्क इस्तेमाल किया गया। बिना मेरी अनुमति के पंजाब और महाराष्ट्र में ळैज फर्मों का पंजीकरण कराया गया। मामले की जांच की जाए, ऐसा करने वाले दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त एक्शन लिया जाए। मामले में पुलिस ने ैप्ज् गठित की और इन्वेस्टिगेशन शुरू हुई। इसके बाद परत दर परत राष्ट्रीय स्तर पर किए जा रहे फ्रॉड का खुलासा हुआ। पता चला पूरे फ्रॉड में दर्जनों अभियुक्त शामिल हैं, जो लोगों की फर्जी आईडी का इस्तेमाल कर जीएसटी रजिस्ट्रेशन करते हैं। उस पर फर्जी तरीके से टैक्स इनपुट क्रेडिट लेकर सरकार को करोड़ों का चूना लगा रहे हैं। कोर्ट को बताया गया– आरोपी फर्जी जीएसटी फर्म का रजिस्ट्रेशन करा, इनपुट टैक्स क्रेडिट हासिल करते थे और सरकार को हजारों करोड़ों रुपए का नुकसान पहुंचा चुके हैं। अब तक की जांच में आरोपियों ने 4000 करोड़ के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट किया है। जबकि 2,645 हजार करोड़ रुपए से अधिक का सरकार के खजाने को नुकसान पहुंचाया जा चुका है। मामले की जांच अभी चल रही है। आरोपियों के बयान के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान भी की जा रही है। सरकार का कहना था कि जांच में कई अभियुक्तों के पास से बड़ी संख्या में कंपनियों के डाटा, फर्जी सिम कार्ड, मोबाइल फोन, फर्जी दस्तावेज और कैश रुपए बरामद हुए हैं। जमानत याचिका में इस बात की दलील दी गई कि फर्जी जीएसटी नंबर उत्तर प्रदेश के बाहर के राज्यों से प्राप्त किए गए हैं। शिकायतकर्ता स्वयं दिल्ली का रहने वाला है और थ्प्त् गौतम बुद्ध नगर में दर्ज कराई गई है। इसमें नामजद नहीं और झूठे केस में फंसाया गया है। इस लिए जमानत दी जाए। कोर्ट ने इस आपत्ति को खारिज करते हुए कहा– भले ही फर्जी कंपनियां दूसरे राज्यों में बनाई गई हैं। ळैज में सिर्फ राज्य के भीतर ही नहीं अंतरराज्यीय सप्लाई चेन की भी निगरानी की जाती है। शिकायत की सत्यता के बाद क्षेत्राधिकार के आधार पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। कोर्ट ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए सभी जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया।

पांडुलिपि पुस्तकालय ने दान में मांगा संग्रह

प्रयागराज। राजकीय पांडुलिपि पुस्तकालय प्रशासन ने लिपिकारों व कथाकारों से उनकी मूल रचनाओं, दुर्लभ पांडुलिपि और तामपत्र देने की अपील की है। जो उनके पास संरक्षित रखी हुई है। जिसे प्रशासन इन संग्रहों को राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा के रूप में पांडुलिपि पुस्तकालय में सुरक्षित और संरक्षित करने की योजना बनाई है। इतना ही नहीं जिन कथाकारों से दुर्लभ संग्रह दान स्वरूप लिया जाएगा, उसे संबंधित कथाकार के नाम से पुस्तकालय में संजोया भी जाएगा। पांडुलिपि अधिकारी गुलाम सरवर ने बताया कि दान के रूप में मिलने वाले संग्रह के नाम से रैक, आलमारी व बुक शेल्फ का नामकरण किया जाएगा।

केदारनाथ में फंसी भाजपा नेता की भाभी को हेलीकॉप्टर से निकाला

प्रयागराज। सोनप्रयाग में भूस्खलन के बाद केदारनाथ में फंसी भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष अनिल केसरवानी की भाभी सुनीता गुप्ता व अन्य रिश्तेदारों को हेलीकॉप्टर से निकाला गया। सुनीता गुप्ता व उनके रिश्तेदारों को लाने के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर हेलीकॉप्टर भेजा गया। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने सुनीता गुप्ता व उनके रिश्तेदारों को केदारनाथ से लाने के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से हेलीकॉप्टर भेजने का आग्रह किया था। सुनीता गुप्ता के रीवा में हनमना के रहने वाले भाई विक्रम गुप्ता और भाभी सविता गुप्ता के साथ सोमवार को केदारनाथ में दर्शन किया। दर्शन करने के बाद सुनीता अपने भाई–भाभी के साथ नोएडा जाने की तैयारी कर रही थीं कि सोनप्रयाग में भूस्खलन से मार्ग बंद होने की सूचना मिली। सुनीता भाई–भाभी के साथ रात केदारनाथ में रुक गईं। देर रात तनाव के कारघ्ण उनकी तबीयत खराब हो गई। सुनीता ने केदारनाथ में फंसने और अस्वस्थ होने की सूचना अनिल केसरवानी को दी। अनिल ने प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी से सुनीता गुप्ता व अन्य रिश्तेदारों को केदारनाथ से निकालने के लिए मदद मांगी।

छिड़काव से फैल रहे जहर के खात्मा पर इविवि के वैज्ञानिक करेंगे अध्ययन

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग के प्रो. एसएम प्रसाद को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की ओर से एमेरिट्स साइंसटिस्ट रिसर्च प्रोजेक्ट मिला है। इस प्रोजेक्ट के तहत 40 लाख रुपये का अनुदान मिला है। प्रो. प्रसाद कीटनाशकों के छिड़काव से सब्जियों में फैल रहे जहर को खत्म करने की विधि पर शोध करेंगे। प्रो. प्रसाद ने बताया कि कीटों को मारने के लिए किसान वर्तमान में कीटनाशकों का अधिक मात्रा में छिड़काव करते हैं। ऐसे में सब्जियों पर भी इस कीटनाशकों का असर होता है। ये कीटनाशक मानव के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा बन रहे हैं। ऐसे में इनके प्रभाव को खत्म करने के लिए शोध करने की आवश्यकता है। काउंसिल फार साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च ने सब्जियों पर कीटनाशकों के प्रभाव को कम करने के क्षेत्र में काम करने के लिए शोध अनुदान प्रदान किया है। प्रो. प्रसाद ने बताया कि सब्जियों में प्रवेश करने के बाद कीटनाशक आसानी से खाद्य शृंखला में प्रवेश कर जाते हैं। हालांकि गामा अमीनोब्यूट्रिक एसिट और नाइट्रिक आक्साइड के प्रयोग से कीटनाशकों के असर को कम किया जा सकता है। इस शोध परियोजना के तहत पूरे भारत में कीटनाशकों के दुष्प्रभाव से किसानों के साथ आम लोगों को भी लाभ मिलेगा।

फाफामऊ–सहसों फोर लेन निर्माण को 30 साल के लिए रेलवे से मिली जमीन

प्रयागराज। महाकुम्भ के लिए लोक निर्माण विभाग की सबसे बड़ी परियोजना की बाधा दूर हो गई है। फाफामऊ से सहसों के बीच चौड़ीकरण के तहत फोर लेन सड़क के निर्माण के लिए थरवई रेलवे स्टेशन से ढाई किमी के दायरे में बाधा बनी उत्तर रेलवे की जमीन 30 साल के लिए लीज पर मिल गई है। शासन और उत्तर रेलवे के आला अधिकारियों के बीच सप्ताह भर पहले करार पर समझौता हुआ है। फाफामऊ से सहसों के बीच टू लेन सड़क को फोर लेन किया जाना है। एक अरब 16 करोड़ 51 लाख 93 हजार रुपये की लागत से चौड़ीकरण का कार्य जनवरी 2024 में शुरू हुआ था। परियोजना को पूरा करने की समय सीमा अक्तूबर 2024 निर्धारित है, लेकिन थरवई रेलवे स्टेशन के आसपास ढाई किमी तक रेलवे की जमीन बाधा बनी हुई थी। इस वजह से काम ठप था। लखनऊ में रेलवे के अधिकारियों से वार्ता के बाद सहमति नहीं बनने पर मुख्य अभियंता ने मेलाधिकारी विजय किरण आनंद को समस्या से अवगत कराया। सितंबर की शुरुआत में मेलाधिकारी ने शासन स्तर पर मसले को रखा। उसके बाद शासन व रेलवे के आला अधिकारियों के बीच स्टेशन के पास की जमीन को लीज पर दिए जाने पर सहमति बनी। विभागीय अधिकारियों की मानें तो अब तेजी से काम शुरू कराया जाएगा। मुख्य अभियंता एके द्विवेदी ने बताया कि रेलवे की जमीन की समस्या दूर हो गई है।

हमीदिया महिला महाविद्यालय में राजभाषा सप्ताह

प्रयागराज। हमीदिया महिला महाविद्यालय के राजभाषा सप्ताह के समापन अवसर पर बोलते हुए महाकौशल विश्वविद्यालय, जबलपुर मध्य प्रदेश के कुलपति प्रो. आर.सी. मिश्र ने कहा कि प्रयाग ने हिन्दी के क्षेत्र में बड़ी बड़ी विभूतियों को दिया है। महादेवी, बच्चन, निराला, पन्त, महावीर प्रसाद द्विवेदी, धीरेन्द्र वर्मा, दूधनाथ सिंह जैसी विभूतियाँ प्रयाग को ही कर्मक्षेत्र बनाकर काम कर रहीं थीं। राजभाषा का आंदोलन चलाने वाले राजर्षि पुरुषोत्तमदास टंडन का भी संबंध प्रयाग से है। अगर इतिहास का पुनर्लेखन किया जाए तो न जाने कितने अदृश्य हीरो राजभाषा के लिए संघर्ष करने वाले प्रयाग से सम्बन्धित मिलेंगे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा राजभाषा में दी जा रही है अन्य प्रदेशों में भी चिकित्सा सहित तकनीकी शिक्षा राजभाषा में दिये जाने की जरूरत है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए हिन्दी विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. राजेश कुमार गर्ग ने कहा व्यापक प्रचार एवं जन लोकप्रियता के कारण हिन्दी भारत की स्वयं सिद्ध राष्ट्रभाषा है।संविधान के अनुसार वह राजकाज की भाषा अर्थात राजभाषा भी है परंतु अंग्रेजी के वर्चस्व एवं भाषायी कूटनीति के कारण हिन्दी ही नहीं भारत के अन्य भाषाएँ भी सम्यक रूप से विकसित नहीं हो पा रही हैं। यहाँ तक कि शिक्षा का भी पूर्ण माध्यम नहीं बन पा रही हैं जबकि संविधान का अनुच्छेद 343 स्पष्ट रूप से घोषित करता है संघ की राजभाषा हिन्दी है। व्यावहारिक रूप से हिन्दी की राजभाषा पदप्रतिष्ठा के लिए और अधिक प्रयत्नों की आवश्यकता है। महाविद्यालय की प्राचार्या और उर्दू की ख्यातिलब्ध लेखिका और विद्वान प्रो. नासेहा उस्मानी ने कहा कि हिन्दी देश का गौरव है। दुनिया के सामने हिन्दी हमारी पहचान है। इसमें प्रवीणता और कुशलता हमारा स्वभाव होना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्राचीन इतिहास विभाग की प्रो. नसरीन बेगम ने कहा कि भाषा शीतल पानी की धार की तरह है। आज भारत ही नहीं दुनिया में हिन्दी का प्रचार प्रसार बढ़ा है। उसकी वैश्विक स्थिति मजबूत हुई है। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने की गीत और काव्यपाठ भी प्रस्तुत किया तथा राजभाषा सप्ताह के दौरान संपन्न भाषण,निबन्ध और कहानी लेखन के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। प्रो. सबीहा आजमी, डॉ. सिद्दीकी जाबिर, डॉ. शमारानी, डॉ. शबनम आरा, डॉ. नीरजा वर्मा, डॉ. अंकिता अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक और छात्राएँ कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

भगवान विघ्नहरण जरूर पूर्ण करते हैं मनोकामना

प्रतापगढ़। सपट्टी क्षेत्र के गंधियावा गांव में श्री शिव साईं ट्रस्ट के संरक्षक शिक्षाविद अजीत पांडेय और ग्रामीणों के सहयोग से गांव के शिव मंदिर पर गणेश उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है।प्रतिदिन शाम को रश्मि शुक्ला द्वारा प्रवचन भी किया जाता है जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।ग्रामीणों का मानना है कि इस गणेशोत्सव के दौरान जो भी भक्त कोई कामना दिल से करते हैं उसको भगवान गणपति अवश्य पूर्ण करते हैं।यह गांव का सोलहवां गणेशोत्सव है अब तक बहुत से भक्तों की मनोकामना भगवान गजानन पूर्ण कर चुके हैं,कुछ भक्त अपने इच्छा पूर्ति की प्रसन्नता से भगवान को आने वाले अगले गणेशोत्सव पर अपने सामर्थ्य के अनुसार भोग,प्रसाद या सोने चांदी के श्रृंगार के सामान अर्पित करते हैं।

एलयू में संयुक्त छात्र मोर्चा का प्रदर्शन, दीक्षांत समारोह में राज्यपाल का करेंगे विरोध

लखनऊ, एजेंसी। एलयू में शोध छात्रों की बायोमेट्रिक से अटेंडेंस लगाने के आदेश को लेकर छात्रों में आक्रोश कम होता नहीं दिख रहा है। गुरुवार को एक बार फिर इसी मामले को लेकर प्रदर्शन हुआ। संयुक्त छात्र मोर्चा के बैनर तले जुटे छात्रों दोपहर 12 बजे के करीब ने गेट 1 के बाहर सड़क पर बैठकर धरना दिया। इस दौरान जमकर नारेबाजी भी हुई। प्रदर्शन कर रहे छात्रों की मांग थी कि विश्वविद्यालय प्रशासन इस आदेश को तत्काल वापस लें। इस बीच मौके पर प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों के साथ चीफ प्रॉक्टर भी पहुंचे। उन्होंने छात्रों से बातचीत कर धरने को खत्म करने का प्रयास किया पर छात्र आदेश रद्द करने की मांग पर अड़े रहे। प्रदर्शन के दौरान कुछ शोध छात्राएं नॉन नेट फेलोशिप जारी करने की मांग को लेकर भी धरने पर बैठी दिखी। इस दौरान मौके पर पहुंचे प्रो.राकेश द्विवेदी ने छात्रों को जब समझाने का प्रयास किया तो छात्र आदेश रद्द करने की मांग को लेकर मुखर थे। इस बीच देखते ही देखते माहौल गर्म हो गया। प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों के सामने से नारेबाजी होने लगी। इस दौरान तीखी झड़प भी देखने को मिली। एनएसयूआई से जुड़े विशाल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन को बायोमेट्रिक अटेंडेंस का आदेश रद्द करने के लिए 24 घंटे की मोहलत दी गई है। यदि नहीं किया गया तो फिर बड़ा प्रदर्शन शुरू होगा। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल के सामने भी इस आदेश का विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। एलयू छात्र अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि यदि बायोमेट्रिक आदेश रद नही होगा तो अनिश्चितकालीन धरना शुरू होगा। शोध छात्रों का लगातार उत्पीड़न किया जा रहा है। बंधुआ मजदूर जैसा बर्ताव हो रहा है। भविष्य के शिक्षकों के साथ ऐसा व्यवहार बेहद दुखद और नंदनीय हैं।

परिषद के समर्थन से फिर सड़क पर उतरेगें विशेष शिक्षक

लखनऊ, एजेंसी। भाजपा शासित राज्य सरकारों में मिल रहे मानदेय से भी आधी राशि में सेवा दे रहे प्रदेश के विशेष शिक्षकों की नाराजगी बढ़ती जा रही है। दिल्ली के जन्तर मंतर में प्रदर्शन से उत्साहित और उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के समर्थन के बाद विशेष शिक्षकों ने एक बार फिर शतप्रतिशत संख्या के साथ पहले राजधानी लखनऊ और फिर जंतर मंतर पर धरना देने का निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश विशेष शिक्षक एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुज शुक्ला ने बताया कि यह कैसा न्याय है कि एक ही तरह की विशिष्ट सेवाएं दे रहे शिक्षक वर्ग को आधे से अधिक के अन्तर का मानदेय दिया जा रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि हमारे करीबी राज्य उत्तराखण्ड में 25 हजार, मध्यप्रदेश 33100, जम्मूकश्मीर 30 हजार और हरियाणा में सातवें वेतनमान जबकि उत्तर प्रदेश में 19550 रूपये का भुगतान विशेष शिक्षकों को दिया जा रहा है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुज शुक्ला ने बताया कि उत्तर प्रदेश विशेष शिक्षक एसोसिएशन द्वारा 9 सितंबर 2024 को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश के सभी जिलों से सैकड़ो विशेष शिक्षकों ने प्रदर्शन में भाग लिया। इस धरने में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष इं. हरिकिशोर तिवारी ने शामिल होकर विशेष शिक्षकों के हर आन्दोलन में परिषद की भागीदारी का समर्थन दिया। श्री शुक्ला ने बताया कि यह विशेष शिक्षक वह शिक्षक हैं जो दिव्यांग बच्चों को शिक्षा तथा पुनर्वास हेतु विगत 19 वर्षों से अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में इनको 15950 मानदेय के रूप में भुगतान किया जाता है जबकि अन्य कई राज्यों में काफी अच्छा मानदेय दिया जा रहा है। विशेष शिक्षकों ने मांग की कि 19 वर्षों से कार्यरत इन विशेष शिक्षकों को नियमित और सेवा प्रदाता के माध्यम से नियुक्ति के स्थान पर नियमित शिक्षकों की नियुक्ति की जाए। विशेष शिक्षकों को उनके मूल जनपदों में स्थानांतरित किया जाए। नियमानुसार ईपीएफ कटौती की जाए।जब तक नियमितीकरण की प्रक्रिया पूर्ण नहीं होती तब तक नवीनीकरण प्रक्रिया समाप्त कर 12 माह का मानदेय भुगतान किया जाए।राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष हरि किशोर तिवारी कहा कि इन विशेष शिक्षकों का शोषण लगातार अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है, अधिकारी सरकार को गुमराह करते हैं। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद इन शिक्षकों के साथ मजबूती से खड़ा है। इनकी मांगे जायज हैं, इनकी हर संभव लड़ाई की जाएगी।

'भाद्रपद माह के दसलक्षण पर्व का पंचम दिन- उत्तम सत्य धर्म'

प्रयागराज। प्रवक्ता महेंद्र जैन ने शास्त्र वाचन के दौरान बताया – राष्ट्र पिता महात्मा गांधी भी जैन धर्म से प्रेरित होकर हमेशा सत्य बोलने की प्रेरणा देते रहे। मनुष्य अनेक कारणों से असत्य बोला करता है, उनमें से एक तो झूठ बोलने का प्रधान कारण लोभ है। लोभ में आकर मनुष्य अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिये असत्य बोला करता है। असत्य भाषण करने का दूसरा कारण भय है। मनुष्य को सत्य बोलने से जब अपने ऊपर कोई आपत्ति आती हुई दिखाई देती है। अथवा अपनी कोई हानि होती दिखती है। उस समय वह डरकर झूठ बोल देता है, झूठ बोलकर वह उस विपत्ति या हानि से बचने का प्रयत्न करता है। जो सत्य वचन है वह ही धर्म है। यह सत्य वचन दया धर्म का मूल कारण है, अनेक दोषों का निवारण करनेवाला है, इस भव में तथा परभव में सुख का करनेवाला है, सभी के विश्वास करने का कारण है। सत्यवादी में सभी गुण रहते हैं सत्यवादी सदाकाल कपटादि दोष रहित होकर जगत में भी मान्यता को प्राप्त होता है। श्री 1008 नेमीनाथ दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट में– सुबह हर्षउल्लास से अभिषेक शांति धारा एवं शाम के 24 दीपक से भगवान की आरती संपन्न हुई अर्पण जैन,हर्ष जैन,अभिषेक जैन आशीष जैन अंशु जैन साधना जैन, रेनू जैन, स्वाति जैन आदि उपस्थित रहे। यह जानकारी श्री अखिलेश चंद्र जैन द्वारा प्राप्त हुई।

शहर समता विचार मंच (महिला)कानपुर इकाई की सितंबर माह की काव्यगोष्ठी सम्पन्न'

कानपुर की पावन धरा पर धूमधाम से मनाया गया हिन्दी दिवस

कानपुर। शहर समता विचार मंच महिला गोष्ठी कानपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी श्रद्धा श्रीवास्तव के संयोजन में तथा सीमा वर्णिका की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि सुषमा त्रिपाठी रहीं। यह काव्य गोष्ठी दोपहर 12:00 बजे से 1:30 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही सीमा द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति शिप्रा सिंह द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सुषमा सिंह उर्मि, सुषमा त्रिपाठी, शिप्रा सिंह, योगिता सिंह, सुनीता गुप्ता, श्रद्धा श्रीवास्तव तथा सीमा वर्णिका ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दियें । अध्यक्षीय सम्बोधन के बाद धन्यवाद ज्ञापन कानपुर इकाई की जिलाध्यक्ष सीमा वर्णिका ने किया ।

पं.दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में अयोध्या में आयोजित प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरुष वॉलीबाल प्रतियोगिता संपन्न हुई।

प्रयागराज मंडल की वॉलीबाल टीम बनी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की उपविजेता

प्रयागराज। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में एवं यूपीवीए के समन्वय से क्षेत्रीय खेल कार्यालय स्पोर्ट्स स्टेडियम अयोध्या द्वारा 9 से 11 सितंबर 2024 तक पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरुष वॉलीबाल प्रतियोगिता संपन्न हुई। देर रात्रि खेले गए प्रतियोगिता के फाइनल मैच के संघर्षपूर्ण मुकाबले में प्रयागराज मंडल की टीम के खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रदर्शन किया पर अपनी टीम को जीत न दिला सकी और राज्य स्तरीय वॉलीबाल प्रतियोगिता की उपविजेता होने का गौरव प्राप्त किया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला अयोध्या मंडल और प्रयागराज मंडल के बीच खेला गया था। जिसमें अयोध्या मंडल ने प्रयागराज मंडल की वॉलीबाल टीम को कड़े व संघर्षपूर्ण मुकाबले में 26 – 24, 25 – 20 व 25 – 23 अंकों से हराकर अयोध्या मंडल की वॉलीबाल टीम राज्य स्तरीय सीनियर पुरुष वॉलीबाल प्रतियोगिता की विजेता होकर प्रथम स्थान तथा प्रयागराज मंडल की वॉलीबाल टीम उपविजेता होकर द्वितीय स्थान प्राप्त की तथा आजमगढ़ मंडल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि मा.वेद प्रकाश गुप्ता,विधायक अयोध्या ने उपविजेता टीम प्रयागराज मंडल की टीम के कोच मुकेश शुक्ला व कप्तान को ट्रॉफी तथा सभी खिलाड़ियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। वहीं विजेता टीम अयोध्या मंडल की टीम के खिलाड़ियों को भी मुख्य अतिथि द्वारा ट्रॉफी व मेडल प्रदान किया गया। उपविजेता टीम के विनीत दुबे, रिषभ गुप्ता, जैनुल आबदीन व दिव्यांशु का खेल बहुत ही शानदार व सराहनीय रहा। प्रतियोगिता की आयोजन सचिव एवं क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी अयोध्या चंचल मिश्रा ने मुख्य अतिथि महोदय को बुके व स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत किया। उक्त अवसर पर उत्तर प्रदेश वॉलीबाल संघ के सचिव सुनील तिवारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके पूर्व खेले गए प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मैच में प्रयागराज मंडल की टीम ने आजमगढ़ मंडल की टीम को 5 सेटों के मैच में सीधे तीन सेटों में 29 – 27, 25 – 18 और 27 – 25 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था और अपने लीग के अन्य मैचों में प्रयागराज मंडल ने गोरखपुर मंडल को, कानपुर मंडल को तथा मुरादाबाद मंडल को हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई थी। राज्य स्तरीय सीनियर पुरुष वॉलीबाल प्रतियोगिता में उपविजेता होने पर टीम के सभी खिलाड़ियों व कोच को जनपद के पदाधिकारियों व खिलाड़ियों ने बधाई दिया है। जिसमें पूर्व अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी जॉर्डन,एच. नाथ, डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन प्रयागराज के अवैतनिक महासचिव आर.पी. शुक्ला, क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी प्रयागराज विमला सिंह, अध्यक्ष प्रभात राय, कोषाध्यक्ष के.वी.एल. श्रीवास्तव, म्योहाल प्रभारी संदीप गुप्ता आदि लोगों ने बधाइयां दी है।

शिव सबसे बड़े राष्ट्रवादी, साम्यवादी व समाजवादी : चिदंबरानंद

शोभायात्रा के साथ श्री शिव महापुराण कथा प्रारम्भ

लखनऊ, एजेंसी। शिवत्व आध्यात्मिक तत्व ही नहीं संपूर्ण वैज्ञानिक अवधारणा है। इनमे सृजन कर्ता,पालक और संहर्ता तीनों स्वरूप समान रूप से विद्यमान हैं। जहाँ सृष्टि के सृजन से पालन तक का दायित्व निभाते हैं वहीं सृष्टि के कल्याण के लिए दुष्टों के संहार से भी पीछे नहीं हटते।यह उदगार श्री हरि हर सेवा समिति के तत्वावधान में जानकीपुरम विस्तार के सेक्टर सात स्थित सूर्या लान में श्री शिव महापुराण कथा का प्रवचन करते हुए कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी चिदंबरानंद सरस्वती ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा, वैश्विक परिपेक्ष्य में देखें तो शिव से बड़ा राष्ट्रवादी देवता नहीं है।वह सच्चे अर्थों में साम्य और समाजवाद के प्रतीक हैं। बिना किसी विशिष्ट स्वरूप मात्र एक पत्थर की बटिया में उन्हें कोई भी समान रूप से प्राप्त कर सकता है। उनकी पूजा के लिए न सिर्फ जल ही पर्याप्त है बल्कि वह संसार की त्याज्य वस्तुओं को सप्रेम स्वीकारते हैं,बस श्रद्धा चाहिए। सरल भाव के चलते सर्व समाज के लिए समान रूप से उपलब्ध हैं। शिव की यही सरलता उन्हें वैश्विक मान्यता की प्रमुख कारक है। आज विश्व के हर कोने में महादेव को पूजने वाले मिल जाएंगे। मुस्लिम देशों सहित तमाम देशों में उत्खनन में प्राप्त शिव लिंग व मूर्तियों का प्राप्त होना शिव के विश्व व्यापी होने का स्वतरू प्रमाण है।

यूइंग क्रिश्चियन महाविद्यालय में काव्यपाठ प्रतियोगिता सम्पन्न

प्रयागराज ससयूइंग क्रिश्चियन महाविद्यालय में विगत वर्षो की भांति हिंदी विभाग द्वारा राजभाषा पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है इसी

क्रम में हिंदी विभाग में काव्यांजलि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें हिंदी कविताओं में रुचि रखने वाले अध्ययनशील छात्र–छात्राएं अत्यधिक संख्या में उपस्थित हुए। इस अवसर में निर्णायक के रूप में डा अंशु सिंह एवं रेनू मिश्रा श्दीपशिखा श्उपस्थित रहीं। इस अवसर पर उन्होंने अपने विचार बच्चो के साथ साझा किए । रेनू मिश्रा ने छात्रों को श्रीमद्भागवतगीता व रामायण में निहित ज्ञान को आत्मसात करने की प्रेरणा दी तथा अपनी काव्य संग्रह "पल्लव" से कई कविताएं सस्वर सुनाई। कार्यक्रम में श्री सुदीप तिर्की, डॉ स्वप्निल श्रीवास्तव, डॉ० गजराज पटेल, डॉ आरुणेय मिश्र अध्यापक सहित 100 से अधिक छात्र उपस्थित रहें। इसी क्रम में अमन शुक्ला प्रथम, शैलजा मिश्र द्वितीय और शाश्वत त्रिपाठी ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। सोनू और अपर्णा सिंह ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन शैलजा त्रिपाठी के द्वारा किया गया।

नोएडा इकाई की काव्य गोष्ठी सपन्न

नोएडा। शहर समता विचार मंच.नोयडा इकाई की महिला काव्य गोष्ठी प्रवीणा त्रिवेदी प्रज्ञा के दिशा निर्देश में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

इस काव्यगोष्ठी की मुख्यअतिथि डॉ अल्पना जैन रहीं। 'संजीव शुक्ला सचिन' ने कर्यक्रम का अध्यक्ष पद संभाला। यह काव्य गोष्ठी शाम 5 बजे से 6 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रह संजीव शुक्ला सचिन ने किया।सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति व माल्यार्पण आ०सैयदा अनोवारा ने किया।अनोवारा ने अपनी एक सुंदर प्रस्तुति भी दी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन व संयोजन प्रवीणा त्रिवेदी प्रज्ञा ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सभी बहिनों ने अपनी अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दिये।चाहे अनोवचाहे वो प्रवीणा त्रिवेदी की रचना ष्संस्कृतिष्हो या अर्चना कोहली जी की रचना ष्कल हो न होष्हो या ममता जोशी जी की रचना ष्गाँवष्हो या अनीता सिंह ष्अनुष्जी की उम्दा गजल ष्वैवानियतष्हो या बहिन अवंतिका जी की

रचनाष्सुख में रखते रामष्हो तथा अल्पना जैन की रचना रिटायरमेंट हो

कुल मिलाकर सभी की रचनाओं ने एक सुंदर सा समां बाँध दिया। पूरा आयोजन बहुत ही सुंदर हो गया । आयोजन का समापन संजीव शुक्ला ने किया।

पंडित प्रेम कुमार त्रिपाठी प्रेमी जी को मिला तुलसी अवधि सम्मान

प्रतापगढ़। जनपद के वरिष्ठ कहानीकारध्आशुकवि पण्डित प्रेम कुमार त्रिपाठी 'प्रेम' जी का अमेठी जनपद में अवधी साहित्य संस्थान अमेठी द्वारा तुलसी अवधी सम्मान से सम्मानित किया गया स अवधी साहित्य संस्थान अमेठी के वार्षिकोत्सव के अवसर खेरौना अमेठी में आयोजित एक विशाल सांस्कृतिक कार्यक्रम में उन्हें यह सम्मान राष्ट्रपति पुरस्कार से पुरस्कृत

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ० राम बहादुर मिसिर एवं संस्थान के अध्यक्ष डॉक्टर अर्जुन पांडे ने संयुक्त रूप से प्रदान किया इस अवसर पर नेपाल की धरती से पधारे जाने माने कार्यक्रम उद्घोषक विक्रम मणि त्रिपाठी भी मंच पर उपस्थित रहे स यह सम्मान प्रेम जी को को उनकी साहित्यिक उपलब्धियों पर दिया गया है स ज्ञातव्य है कि प्रेम कुमार त्रिपाठी श्प्रेमष् की अब तक आधा दर्जन से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं स जनपद के वरिष्ठ समीक्षक एवं साहित्यकार डॉ दयाराम मौर्य रत्न समाजसेवी रोशन लाल उमर वैश्य,आनंद मोहन ओझा ,अनिल कुमार निलय, श्रीनाथ मौर्य सरस, कुंज बिहारी लाल मौर्या, काका श्री अमरनाथ गुप्ता, अमित शुक्ल सहित जनपद के तमाम साहित्यकारों ने प्रेम कुमार त्रिपाठी को जनपद का गौरव बढ़ाने के लिए हार्दिक बधाइयां एवं शुभकामनाएं दी हैं।

सज्जनता की भाषा हिंदी

सज्जनता की भाषा हिंदी सज्जन हिन्दी भाषी।
इंग्लिश लंदन उर्दू काबा हिन्दी भाषा काशी।
शासक सबकी हिन्दी भाषा सब भाषाएं शासी।
रानी मां है भाषा हिन्दी सब भाषाएं दासी।
मां लगती है भाषा हिन्दी उर्दू लगती मासी।
ताजी लगती भाषा हिन्दी सब भाषाएं बासी।
संस्कार की भाषा हिन्दी इंग्लिश संस्कृति नाशी।
इंग्लिश लगे विदेशी भाषा हिन्दी भारतवासी।

अमित शुक्ल अमित

सम्पादकीय.....

पटरी से उतरती रेल

पिछले दिनों लगातार होती रही रेल दुर्घटनाएं हर किसी व्यक्ति को परेशान करती रही हैं। दुनिया के चौथे सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क पर हम भारतीय गर्व करते रहे हैं। करीब सवा बारह लाख कर्मचारियों वाला भारतीय रेलवे दुनिया की आठवीं सबसे बड़ी व्यावसायिक इकाई है। लेकिन गाहे–बगाहे होने वाली रेल दुर्घटनाएं हमें विचलित करती हैं कि रेल यात्री की जिंदगी इतनी सस्ती क्यों है? जिन लोगों के पास रेलवे सुरक्षा का जिम्मा है क्या वे अपने दायित्वों का निर्वहन सही ढंग से नहीं कर पा रहे हैं? निस्संदेह, देश में भारतीय रेलवे दशकों तक राजनीतिक हित साधने का शार्टकट माध्यम रहा है। गठबंधन सरकारों में घटक दलों के सांसदों में रेल मंत्रालय लेने की होड़ रहा करती थी। वजह थी कि अपने राज्य व संसदीय क्षेत्रों के बेरोजगारों को विशाल रेल तंत्र में खपाया जा सके। यह यक्ष प्रश्न है कि राजनीतिक हस्तक्षेप से की गई नियुक्तियां किस हद तक किसी विभाग या काम की गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं। विडंबना यह भी कि राजनीतिक लाभ के लिये नित नयी ट्रेनों की घोषणा करने वाले राजनेताओं ने रेलवे में सेवा की गुणवत्ता व सुरक्षा के पहलुओं को उतनी गंभीरता से नहीं लिया। कोई वैज्ञानिक अध्ययन सामने नहीं आया जो इस बात की व्याख्या कर सके कि पुराना रेलवे ढांचा क्या तेज गति की ट्रेनों के दबाव को सह लेगा? सर्वविदित है कि तमाम छोटी–बड़ी रेल दुर्घटनाओं के मूल में मानवीय चूक का पहलू भी सामने आता रहा है। लेकिन हाल के दिनों में रेलों को पटरी से उतारने की साजिश का जो एंगल सामने आया है, वह बेहद डरावना है। दरअसल, आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर रेल की पटरी पर ऐसे अवरोधक पाये गए हैं, जो रेल को पटरी से उतारकर बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते थे। इस बाबत कुछ वीडियो सुर्खियों में रहे, जिसमें पाक में सक्रिय कट्टरपंथी भारतीय रेलों को पटरी से उतारने की बात कर रहे थे। बीते रविवार उ.प्र. में कानपुर के निकट प्रयागराज–भिवानी कालिंदी एक्सप्रेस पटरी पर रखे एलपीजी सिलेंडर से टकरा गई। शुक्र है कि सिलेंडर छिटकने से विस्फोट न हो पाने पर दुर्घटना का खतरा टल गया। इस तरह पटरी से ट्रेन को उतारने की साजिश विफल हो गई। वास्तव में पिछले कुछ वर्षों में तमाम तेज गति की नई ट्रेनें पटरियों पर दौड़ रही हैं। उनकी गति भी बढ़ी है और रेलों की आवाजाही भी। ऐसे में सुरक्षा के प्रबंध चाकचौबंद न होने से हजारों यात्रियों की जान का जोखिम बना रहता है। यहां उल्लेखनीय है कि पिछले महीने भी कानपुर के पास ही वाराणसी–अहमदाबाद साबरमती एक्सप्रेस के करीब दो दर्जन डिब्बे पटरी से उतर गये थे। तब भी चालक ने किसी चट्टान के इंजन से टकराने की बात कही थी। इससे पहले चंडीगढ़–डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के बेपटरी होने से चार यात्रियों को जान से हाथ धोना पड़ा था। निस्संदेह, इसके साथ ही रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचाने की कुछ अन्य घटनाएं भी सामने आई हैं। ये घटनाएं बताती हैं कि ट्रेन में सफर कर रहे हजारों नागरिकों की जीवन रक्षा के लिये रेलवे के सुरक्षातंत्र को फुलप्रूफ बनाने की जरूरत है। ये घटनाएं हमें विचार के लिये बाध्य करती हैं कि चांद व मंगल पर दस्तक देने वाला भारत अपने रेलवे तंत्र को दुर्घटनामुक्त क्यों नहीं बना पा रहा है। नीति–नियंताओं को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि गति से ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि पहले सुरक्षा चाकचौबंद की जाए। यदि रेलवे को निशाने बनाने की साजिश हुई है तो उसकी उच्चस्तरीय जांच की जानी चाहिए। सिर्फ आरोप लगाने काफी नहीं हैं। नहीं तो विपक्ष को यह कहने का मौका मिलेगा कि सरकार अपनी विफलता छुपाने के लिये इस तरह के तर्क दे रही है। वैसे एक हकीकत यह भी कि लोकलुभावन नीतियों व लोकतंत्र में वोटतंत्र के हावी होने की वजह से रेलवे के किराये को तार्किक नहीं बनाया जा सका है। याद रहे रेलवे को दुर्घटनाओं से निरापद बनाने के लिये आधुनिक तकनीक व उपकरणों को लगाने के लिये बड़ी पूंजी की जरूरत होती है। जिससे रेल यात्रा को दुर्घटना मुक्त बनाने में मदद मिल सकेगी।

मणिपुर में हिंसा की नयी लहर

एजेंसी

अशांति और हिंसा के इस माहौल में सामान्य जनजीवन पूरी तरह बर्बाद हो गया है और महिलाओं, बच्चों की जो दुर्दशा हुई है, वह कल्पना से परे है। अगर देश में मजबूत इरादों वाली सरकार होती तो अब तक मणिपुर में हालात संभालने के ठोस उपाय किए जा चुके होते।

पिछले साल मई महीने से मणिपुर अशांत है। कुकी और मैतेई समुदायों के बीच बढ़ चुके संघर्ष में कम से कम 2 सौ लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हुए हैं। अशांति और हिंसा के इस माहौल में सामान्य जनजीवन पूरी तरह बर्बाद हो गया है और महिलाओं, बच्चों की जो दुर्दशा हुई है, वह कल्पना से परे है। अगर देश में मजबूत इरादों वाली सरकार होती तो अब तक मणिपुर में हालात संभालने के ठोस उपाय किए जा चुके होते। इन उपायों में राष्ट्रपति शासन से लेकर मुख्यमंत्री का इस्तीफा, सरकार की बर्खास्ती या खुद प्रधानमंत्री का मणिपुर जाकर स्थिति समझने की पहल करना शामिल हो सकता था। लेकिन अफसोस कि इनमें से एक भी उपाय नहीं किया गया और अगर केंद्र सरकार किन्हीं अन्य विकल्पों पर विचार कर रही है, तो इसकी जानकारी देश को नहीं है। फिलहाल यह नजर आ रहा है कि 16 महीने से हिंसा की आग में जल रहे मणिपुर के लोगों को उनके हाल पर केंद्र सरकार ने छोड़ दिया है। कहने को वहां राहत शिविर भी बनाए गए हैं, सैन्य बलों की तैनाती भी हुई है, पीड़ितों को मुआवजा भी दिया गया है, लेकिन इन सबके बावजूद जिस चीज की वहां सबसे अधिक जरूरत है, यानी शांति और आपसी सद्भाव की, वो सिरे से नदारद है। 2023 से 2024 आ चुका है, जिसके आठ महीने बीत चुके हैं, लेकिन मणिपुर में हिंसा की घटनाएं बीतने का नाम ही नहीं ले रही हैं। अभी फिर राज्य में हिंसा की नयी लहर उठी है, जिसमें सितंबर के 10 दिनों में 11 मौतों की खबर है। इन्हें मौत न कहकर हत्या कहें, तो शायद हालात की गंभीरता का अंदाजा लगे।किसी भी संवेदनशील समाज में इस बात से रोंगटे खड़े हो सकते हैं कि एक राज्य में 10 दिन में 11 हत्याएं हो गईं, लेकिन राज्य और केंद्र की भाजपा सरकार इस संवेदनशीलता से कोसों दूर दिखाई दे रही है। पिछले सप्ताह मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने छह महीनों के भीतर शांति लाने का दावा किया था, लेकिन मौजूदा हालात उनके दावों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। जो काम पिछले एक साल में नहीं हुआ, वो अगले छह महीने में कैसे होता, इसका खुलासा मुख्यमंत्री ने नहीं किया। लेकिन हकीकत ये है कि सितंबर महीने में मणिपुर में ड्रोन और मिसाइल के हमले से लेकर हथियारबंद समूहों के बीच गोलीबारी जैसी भयावह घटनाएं हुई हैं। इस रविवार को ही कुकी समुदाय से आने वाले सेवानिवृत्त सैन्य जवान लिमखोलोई माटे की हत्या केवल इसलिए हो गई क्योंकि अपने दोस्त को लीमाखोंग छोड़ने गए और लौटते में वे कुकी और मैतेई इलाकों के बीच बफर जोन से गुजरे। इसी बात पर उन पर हमला कर दिया गया कि उन्होंने कुकी और मैतेई के बीच हो चुके भौगोलिक बंटवारे का उल्लंघन कर दिया। इस घटना से समझ आता है कि राज्य में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच नफरत की भावना कितनी बढ़ चुकी है। लेकिन केंद्र और राज्य सरकारों के तथाकथित शांति प्रयासों में इस समस्या को लेकर कोई चिंता नहीं दिखाई पड़ती है। राज्य में हिंसा के ताजा दौर के बाद इंटरनेट पर पाबंदी और कर्फ्यू जैसे उपाय अपनाए गए हैं। इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिमी जिलों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा है, वहीं 15 सितंबर तक इंटरनेट बंद कर दिया गया है। राज्य में अतिरिक्त सैन्य बल की तैनाती हो गई है और स्कूल–कॉलेज सब बंद हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 27 जून को संसद में अपने अभिभाषण के दौरान कहा था कि मेरी सरकार पूर्वोत्तर में स्थायी शांति के लिए निरंतर काम कर रही है। पिछले 10 साल में अनेक पुराने विवादों को हल किया गया है। अब श्रीमती मुर्मू को देश को यह भी बता देना चाहिए कि उनकी सरकार के मुताबिक स्थायी शांति की परिभाषा क्या है और इसके मानक क्या हैं। क्या दो समुदायों के बीच अपने सुविधा के हिसाब से भौगोलिक सीमाएं बनाकर एक का दूसरे में प्रवेश वर्जित करना शांति के दायरे में आता है। क्या इंटरनेट प्रतिबंध और कर्फ्यू शांति काल की पहचान हैं। राज्य के हजारों बच्चों को पढ़ने के अवसर नहीं मिल रहे हैं, क्योंकि शैक्षणिक संस्थान बंद हैं। व्यापारिक प्रतिष्ठानों के काम में अड़चनें आ रही हैं। दैनंदिन जीवन सैन्य निगरानी के साए में बीत रहा है। क्या ये सब पुराने विवादों के हल होने की निशानी है या विवादों को चुपचाप भड़कने देने की कायरता है। राष्ट्रपति महोदया क्या अपने अगले संबोधन में देश को इन सवालों के जवाब देंगी। प्रधानमंत्री मोदी हाल में कई देशों के दौरे पर जा चुके हैं और हर जगह उन्होंने अपनी सरकार की बड़ाई की। श्री मोदी इस समय रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को रोकने के लिए भी काफी मेहनत करते दिख रहे हैं। उन्होंने हाल में रूस और यूक्रेन दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों से हाथ मिलाकर साथ देने का वादा भी किया है। लेकिन क्या श्री मोदी अब थोड़ा वक्त मणिपुर जाने के लिए निकालेंगे। मणिपुर की पूर्व राज्यपाल अनुसूइया उईके ने कहा है कि मणिपुर के लोग इस बात से निराश हैं कि श्री मोदी उनके बीच नहीं आए। क्या नरेन्द्र मोदी इस बात में छिपी चिंता को समझेंगे।

गिरिराज रचित आलोचना शास्त्र से अब बेअसर होते राहुल गांधी

डॉ. दीपक पाचपोर

एक बार फिर भारत में बैठे वे लोग नाराज होंगे जो मानते हैं कि देश को आजादी 2014 में मिली हैय या पहले मिली भी है तो वह 99 साल की लीज वाली थी। बहरहाल, राहुल गांधी कुछ भी कहें, इसका जवाब या स्पष्टीकरण जहां से आना चाहिये वहां से नहीं आता बल्कि उन लोगों की ओर से आता है जिन्हें न तो इसके लिये अधिकृत किया जाता है और न ही वह पार्टी का मान्यताप्राप्त बयान होता है। हिमंता बिस्वा सरमा, अनुराग ठाकुर, निशिकांत दुबे, स्मृति ईरानी, कंगना रनौत या गिरिराज सिंह जैसे कुछ लोग हैं जो बार–बार एक जैसी प्रतिक्रिया देते हैं। उनका दुर्भाग्य यही है कि वे राहुल के लिये कोई नया आलोचना शास्त्र नहीं लिख पाये हैं। वह उन्हीं मानदण्डों पर है जो 2014 के आसपास बनाया गया था और जिस हांडी पर एक बार खिचड़ी पकाई जा चुकी है। यह उनके समर्थकों का भी दुर्भाग्य है कि वे उन्हीं की कही बातों पर भरोसा कर रहे हैं जबकि थोड़े बहुत जो समझदार लोग भाजपा या सरकार में हैं, वे सारे राहुल की आलोचना से किनारा कर चुके हैं। अब गिरिराज की ही बात करें तो वे पुरानी बातें ही कह रहे हैं– मसलन, श्विदेशी धरती पर भारत की आलोचनाश, भारत की बदनामी, दुश्मन देशों को प्रोत्साहन आदि। इन्हीं जैसों में से किसी की बात का सिरा थामकर खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यह कह देंगे कि श्पता नहीं कांग्रेस को देश से क्या दुश्मनी है या उन्हें देश की इज्जत प्यारी नहीं आदि। ये सारी बातें मोदी के जुमलों की तरह की बासी हो चुकी हैं जिस पर पानी छिड़ककर वैसा ही ताजा किया जाता है जैसे कोई कुंजड़िन बासी सब्जियों पर पानी का छिड़काव कर उसे ताजी बनाये रखने की कोशिश करती है, ताकि वह उसे अगली सुबह बाजार में बेच सके। मजेदार यह है कि इस विचार और सब्जी के खरीदार अब भी हैं जबकि वे जान चुके हैं कि इस आलोचना में कोई तार्किकता रह नहीं गयी है। फिर भी, पहली बात वे यह समझ लें कि लोकतंत्र एक सार्वभौमिक और संयुक्त अवधारणा है। एक देश में लोकतंत्र को खतरा अन्य देशों की चिंता का विषय हो सकता है। जैसे पड़ोसी देशों में सैन्य सरकार की स्थापना अथवा निर्वाचित सरकार का तख्तापलट कोई देश नजरंदाज नहीं कर सकता। दूसरे, जिन लोगों के सामने राहुल ने यह बात कही है वे भारतीय ही हैं जिन्हें खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत का हिस्सा बताते रहे हैं। वे वहां इसीलिये बस गये हैं क्योंकि उन्हें सुव्यवस्था और सुशासन दिखता है। साथ ही अवसरों की बहुलता दिखी है। इन सब बातों का भारत में अभाव ही तो उन्हें उस नयी दुनिया में ले गया। वहीं उन्हें विविधता का सम्मान करना आया, समतामूलक समाज के दर्शन हुए, धर्मनिरपेक्षता को उन्होंने जाना और लोकतंत्र का महत्व समझा। कुछ अपवादों को छोड़कर ये सारे भारत से गये वे लोग हैं जो साधन–सम्पन्न थे। कुछ समय वहां रहने के बाद देशज धारणाओं को त्यागकर उन्होंने अमेरिकी मूल्यों को अपनाया है। यह अलग बात है कि मोदी के कारण उन्होंने फिर से भारत को वैसा ही बनाना चाहा जो गैरबराबरी वाला हो, लोकतांत्रिक मूल्यों से विहीन हो, तानाशाही का पुट लिये हुए हो और बहुलतावादी वर्चस्व का हिमायती हो। हाउडी मोदी और अबकी बार ट्रम्प सरकार वाली भीड़ की जब आंखें खुलीं तो वह राहुल के लिये पलक पांवड़े बिछाने लगी। बकौल गिरिराज सिंह देश की बदनामी यहां से शुरू होती है। प्रेस के बारे में तो सीधी बात है कि अंतरराष्ट्रीय प्रेस का कोई अपना देश नहीं होता। विशेषकर अमेरिका या सच्चे मायनों में किसी भी लोकतांत्रिक देश का प्रेस वैश्विक दृष्टिकोण से काम करता है– निष्पक्ष होकर। वह अमरीकी राष्ट्रपति को तक नहीं छोड़ता, तो उसके लिये भारत का प्रधानमंत्री खबरों के एक स्रोत से बढ़कर कोई अहमियत नहीं रखता। समर्थकों के लिये कोई नेता उनका भगवान हो सकता है लेकिन उस प्रेस बिरादरी के लिये सारे राष्ट्राध्यक्ष एक सरीखी अहमियत और स्थान रखते हैं। अंत में, वर्तमान डिजीटल युग में आप जहां भी बैठकर कुछ कहें वह वैश्विक प्रसार पा ही जाता है। विदेशी धरती पर जाकर देश की आलोचना करने की शिकायत वे ही करते हैं जो बेहद पुराने कालखंड में जी रहे हैं। भाजपा समर्थकों को इस बात से भी परेशानी है कि राहुल ने वहां चीन की इस बात को लेकर तारीफ की है कि उसने रोजगार की समस्या पर काबू पाया है। अगर यह सच है कि चीन ने ऐसा किया है तो उसका उल्लेख करने में क्या परेशानी है? अगर लगता है कि यह गलत बयानी है तो मोदी अपनी आसन्न यात्रा में सही आंकड़े पेश कर राहुल का मुंह बन्द कर दें। इसका उल्लेख करने मात्र से कोई देशद्रोही और न करने से कोई देशभक्त नहीं बन जाता। यह पाठ भी भाजपा को अपने आलोचना शास्त्र से हटा देना चाहिये क्योंकि लोग जानते हैं कि पिछले 10 वर्षों में सरकार द्वारा कुछ एप पर प्रतिबन्ध और उनके समर्थकों द्वारा दीवाली की झालरों के बहिष्कार से बढ़कर कुछ नहीं किया गया है। भारत चीन को जितना निर्यात कर रहा है, उससे कई गुना अधिक आयात करता है। चीन ने कितनी भारत की जितनी जमीन हथियाई है और कितने गांवों के नाम बदल दिये हैं– इसे लेकर सरकार को बयान देना चाहिये और पहले की भौगोलिक स्थिति को बहाल करना चाहिये। यही लाल आंखें दिखाना है। दुनिया जिस तेजी से बदली है, उसे भाजपा पकड़ नहीं पा रही है। न ही मोदी समझ सके हैं। खासकर, 2019 की महामारी (कोरोना) और राहुल की दो यात्राओं के बाद लोगों की समझ में बड़ा फर्क आया है। पहले नागरिकों के मुकाबले राज्य को बलशाली बनाने की कोशिश की जा रही थी, पर लोगों को अंततरू अपने आर्थिक सशक्तिकरण का महत्व समझ में आ गया। लोकसभा के चुनावी नतीजे यही बताते हैं। यदि भाजपा आज सरकार में है तो वह इसलिये कि कांग्रेस का चुनावी प्रबन्धन आर्थिक रूप से सशक्त नहीं हो पाया था। उसे भीतरघात तो मिला ही, इंडिया गठबन्धन को नीतीश कुमार और जयंत चौधरी ने ऐन वक्त पर धोखा भी दिया। आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के साथ समझौते भी आधे–अधूरे रहे। राहुल के बयानों की आलोचना करने के लिये अब भाजपा को बदलती दुनिया के अनुरूप नये मानदण्ड बनाने होंगे। उसे अपने शब्दकोश के साथ ही खुद को समानता, स्वतंत्रता, बन्धुत्व, धर्मनिरपेक्षता जैसे मूल्यों से स्वस्फूर्त सम्पन्न करना होगा। श्लोकतंत्रश और श्संविधानश की तरह नहीं, जिसका उल्लेख करना उसने तब शुरू किया था जब उसे चुनावी हार दिखने लगी थी। अपने नेतृत्व एवं काडर को उसे इन मूल्यों का महत्ता बतलानी होगी तब कहीं राहुल या कांग्रेस की उसकी आलोचना में वजन पड़ेगा।

कांग्रेस की दक्षिण रणनीति से जुड़ा है वायनाड से प्रियंका का चुनाव लड़ना

कल्याणी शंकर

हरियाणा के आगामी विधानसभा चुनाव में कौन विजयी होगा? क्या सत्तारूढ़ भाजपा राज्य में अपना कब्जा बरकरार रखेगी या फिर कांग्रेस जीत का मौका भुनायेगी? देश की निगाहें महाराष्ट्र, झारखंड, जम्मू और कश्मीर में आसन्न चुनावों के नतीजों पर भी टिकी हैं, जो इन राज्यों के भविष्य को आकार देंगे और राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेंगे। हरियाणा 90 सीटों के साथ एक विविधतापूर्ण बहुकोणीय मुकाबले के लिए तैयार है। मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। फिर भी, आप, समाजवादी पार्टी, सीपीआई (एम), सीपीआई और हरियाणा लोकहित पार्टी जैसी अन्य पार्टिया भी मैदान में हैं, जो चुनावी गतिशीलता में विविधता ला रही हैं।जेजेपी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने दुष्यंत चौटाला को अपना मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनाया है। वहीं, इनेलो और बसपा ने अभय सिंह चौटाला को अपना उम्मीदवार बनाया है। भाजपा और कांग्रेस ने अभी तक अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है, लेकिन कांग्रेस की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा मैदान में हैं। भाजपा की ओर से नये मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मैदान में हैं। दोनों ही पार्टियों में अंदरूनी समस्याएं हैं। भाजपा के मामले में मंत्री रणजीत सिंह चौटाला और विधायक लक्ष्मण दास नापा ने टिकट नहीं मिलने पर पार्टी छोड़ दी। अन्य प्रमुख हस्तियों और जिला नेताओं ने टिकट नहीं मिलने पर इस्तीफा दे दिया। गठबंधन सहयोगी आप के साथ सीट बंटवारे पर चर्चा के दौरान हुड्डा समेत हरियाणा के कांग्रेस नेता कुछ ही सीटें देने को तैयार हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व वाली कांग्रेस दस साल के अंतराल के बाद सत्ता में वापसी को लेकर आशावादी है। पार्टी आम आदमी पार्टी (आप) और समाजवादी पार्टी को गठबंधन के लिए रणनीतिक रूप से लुभाने की कोशिश कर रही है। आप नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शराब घोटाले में शामिल होने के आरोप में अभी भी जेल में हैं। हरियाणा चुनाव अहम हैं। भाजपा तीसरी बार सत्ता में आना चाहती है, जबकि कांग्रेस सत्ता हासिल करना चाहती है। अन्य क्षेत्रीय दल भी सत्ता में हिस्सेदारी के लिए होड़ में हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सभी दस सीटें जीती थीं। 2024 में उसे केवल पांच सीटें मिलीं, जबकि कांग्रेस ने बाकी पांच सीटें जीतीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में बहुमत से वंचित भाजपा ने जद(यू) और तेलुगु देशम की मदद से सरकार बनाई। 2014 से पहले हरियाणा में भाजपा एक छोटी खिलाड़ी थी। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद ही पार्टी ने गति पकड़ी। 2019 में भाजपा ने 40 सीटों के साथ सरकार बनायी, जो बहुमत से सिर्फ छह कम थी, दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) ने दस सीटें जीतकर भाजपा का समर्थन किया। हालांकि, जेजेपी ने हाल ही में भाजपा के साथ अपना गठबंधन समाप्त कर लिया है। हरियाणा में, भाजपा का वोट शेयर 2019 में 58.2प्रतिशत से घटकर 2024 में 46. 11प्रतिशत हो गया। इसका मुख्य कारण किसानों द्वारा कानूनी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) गारंटी की मांग करना था। 2024 में, क्षेत्रीय दलों और कांग्रेस के गठबंधन इंडिया ब्लॉक ने भाजपा के वोट शेयर को पीछे छोड़ दिया।मार्च में, भाजपा ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की जगह नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री नियुक्त किया। नये मुख्यमंत्री ने कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं, सरकारी नौकरियों में रिक्त पदों को भरने का वायदा किया है और जाट मुद्दे का लाभ उठाने का लक्ष्य रखा है। हालांकि, भाजपा को जाटों का समर्थन नहीं है। साथ ही, सैनी के छह महीने के छोटे कार्यकाल ने उनके प्रभाव को सीमित कर दिया है।2024 के लोकसभा चुनावों में अपनी लोकसभा सीटों को दोगुना करने के बाद कांग्रेस उत्साहित है। कांग्रेस बेरोजगारी, मुद्रास्फीति, किसानों के मुद्दों और विवादास्पद अग्निवीर योजना पर ध्यान केंद्रित कर रही है। पार्टी जनता के सुझावों के आधार पर अपना घोषणापत्र तैयार कर रही है, जिसमें वृद्धों के लिए 6,000 रुपये पेंशन और 300 यूनिट मुफ्त बिजली जैसी कल्याणकारी योजनाएं शामिल हैं। पार्टी को पहली बार मतदान करने वाले 452,000 मतदाताओं और 40 लाख युवा मतदाताओं पर भी भरोसा है। कांग्रेस का लक्ष्य विपक्षी वोटों को एकजुट करना है, जबकि भाजपा उन्हें रणनीतिक रूप से विभाजित करना चाहती है। हरियाणा के सीमावर्ती क्षेत्रों में आप का कुछ प्रभाव है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इंडिया गठबंधन को बरकरार रखने की कोशिश कर रहे हैं। ताजा संकेतों के मुताबिक आप ने पांच सीटों पर चुनाव लड़ने पर सहमति जताई है। कांग्रेस में भी खटपट चल रही है। कांग्रेस गुटबाजी का सामना कर रही है। यह हुड्डा और कुमारी शैलजा के नेतृत्व में दो समूहों में विभाजित है। पार्टी दोनों गुटों को संतुष्ट करने की कोशिश कर रही है, लेकिन हुड्डा मुख्यमंत्री के रूप में अपनी पिछली भूमिका के कारण अधिक प्रभाव रखते हैं। कांग्रेस के उम्मीदवारों की सूची में दलबदलू और पूर्व मुख्यमंत्रियों के रिश्तेदार शामिल हैं। हरियाणा में भाजपा को कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ रहा है। मौजूदा सर्वेक्षणों से संकेत मिलता है कि पार्टी की सीटें कम हो सकती हैं। भाजपा की कमजोरियां हैं राज्य स्तर पर मजबूत नेतृत्व की कमी और विपक्ष के आरोपों के जवाब में किसी दमदार बात का न होना। पार्टी के अभियान का नेतृत्व करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभी तक किसी भी चुनावी रैली को संबोधित नहीं किया है। कांग्रेस को आत्मसंतुष्टि, आंतरिक संघर्षों को दूर करके संगठन को मजबूत करना चाहिए। उम्मीदवारों की सूची घोषित होने के बाद भाजपा को विद्रोह का सामना करना पड़ा और कुछ प्रभावशाली नेताओं ने पार्टी के लिए अपनी रणनीति बदली।रंजीत जैसे लोगों ने पार्टी छोड़ दी। टिकट के लिए बहुत सारे दावेदार पार्टी की संभावनाओं को कम कर सकते हैं। अंततः, अंकगणित ही कांग्रेस की जीत तय करेगा। साथ ही, इंडिया गठबंधन की एकता भी जरूरी है। अगर किस्मत अच्छी रही तो भाजपा सम्मानजनक संख्या में सीटें हासिल करके नुकसान को कम कर सकती है, जिससे एक मजबूत विपक्ष बन सकता है। कांग्रेस को गलतियों से बचना चाहिए और सबको साथ लेकर चलना चाहिए। अन्यथा, वह एक सुनहरा अवसर खो देगी।

हेज़ल कीच का किरदार निभाने के लिए किया गया फातिमा सना शेख

> हमने फातिमा सना शेख को अपनी फिल्मों में वास्तविक जीवन के किरदारों को निभाते हुए देखा है, दंगल में गीता फोगट और सैम बहादुर में इंदिरा गांधी। अगर युवराज सिंह की बायोपिक में उनकी प्रेमिका की भूमिका निभाने के बारे में ये अटकलें सच हैं, तो यह वाकई एक दिलचस्प फिल्म होने वाली है।

जब से क्रिकेट सनसनी युवराज सिंह की प्रेरक यात्रा पर बायोपिक की घोषणा की गई है, जिसमें विलक्षण प्रतिभा से लेकर विश्व कप के नायक और फिर कैंसर से बचने तक का सफर शामिल है, तब से हर कोई इसके बारे में विस्तृत जानकारी जानने के लिए उत्सुक है। हालांकि, पुरुष प्रधान भूमिका के बारे में अनुमान लगाना अभी भी जारी है, लेकिन महिला प्रधान भूमिका के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि फातिमा सना शेख फिल्म में क्रिकेटर की प्रेमिका की भूमिका निभाती नजर आ सकती हैं।

फातिमा सना शेख को हेज़ल कीच की भूमिका के लिए संपर्क किया गया

इंडस्ट्री के एक स्वतंत्र स्रोत के अनुसार, ष्टीम युवराज सिंह की बायोपिक में उनकी प्रेमिका की भूमिका निभाने के लिए फातिमा सना शेख पर विचार कर रही है। हालांकि अभिनेत्री या निर्माताओं से इस बारे में बहुत कुछ नहीं सुना गया है, लेकिन संभावनाएँ प्रबल हैं कि वह फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आ सकती हैं। इसके अलावा, हमने फातिमा सना शेख को अपनी फिल्मों में वास्तविक जीवन के किरदारों को निभाते हुए देखा है, दंगल में गीता फोगट और सैम बहादुर में इंदिरा गांधी। अगर युवराज सिंह की बायोपिक में उनकी प्रेमिका की भूमिका निभाने के बारे में ये अटकलें सच हैं, तो यह वाकई एक दिलचस्प फिल्म होने वाली है।

युवराज सिंह की बायोपिक लोगों का ध्यान खींच रही है

बॉलीवुड में भारतीय क्रिकेटरों के जीवन पर कई फिल्में बनी हैं। महेंद्र सिंह धोनी, अजहरुद्दीन, कपिल देव और सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के जीवन को सिल्वर स्क्रीन पर दिखाया गया। कई फिल्में सफल रहीं, जबकि कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकीं। अब एक और स्टार क्रिकेटर पर बायोपिक बनने जा रही है, वह कोई और नहीं बल्कि पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह हैं, जो एक ओवर में 6 छक्के लगाने के लिए मशहूर हैं। इस क्रिकेटर के संघर्ष, करियर और लव लाइफ को इस फिल्म में पिरोया जाएगा। इस प्रोजेक्ट को भारतीय मनोरंजन उद्योग के दो प्रमुख व्यक्ति भूषण कुमार और रवि भागचंदका द्वारा निर्मित किया जाएगा। फिल्म का नाम अभी घोषित नहीं किया गया है, लेकिन यह मैदान पर और मैदान के बाहर युवराज सिंह के उल्लेखनीय सफर का शानदार चित्रण होने का वादा करता है। अब जबकि हेज़ल कीच वाले किरदार के लिए फातिमा से संपर्क किया गया है तो यह देखना बाकी है कि युवराज सिंह की बायोपिक में उनकी शानदार भूमिका कौन निभाएगा।

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा के पिता ने की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा के पिता ने बुधवार को घर की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली है। उनके सुसाइड करने की वजहों का पता नहीं चल पाया है। जानकारी के अनुसार, मलाइका अरोड़ा के पिता ने बांद्रा में स्थित अपने घर की तीसरी मंजिल से कूदकर सुसाइड किया। उन्होंने बुधवार सुबह 9 बजे के करीब छत से कूदकर सुसाइड कर लिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस बीच पिता की मौत की खबर मिलने के बाद मलाइका अरोड़ा पुणे से मुंबई के लिए रवाना हो गई हैं। उनके पिता के शव को मुंबई के बाबा अस्पताल में रखा गया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बता दें कि मलाइका के पूर्व पति अरबाज खान भी उनके घर पहुंच गए हैं। मलाइका का जन्म महाराष्ट्र के ठाणे में हुआ था। वह 11 साल की थीं, तब उनके माता–पिता का तलाक हो गया था। वह अपनी मां और बहन अमृता अरोड़ा के साथ चेंबूर रहने आ गईं। उनकी मां जॉयस पॉलीकार्प एक मलयाली ईसाई हैं और उनके पिता उंसंपां ंतवतं जिीमत, ंनपबपकम, ंदपस ंतवतं, मलाइका अरोड़ा पिता, आत्महत्या, अनिल अरोड़ा पंजाबी थे, जो भारतीय मर्चेंट नेवी में काम करते थे। हाल ही में एक फैशन पत्रिका को दिए गए इंटरव्यू में मलाइका ने बताया था कि जब वह 11 साल की थीं, तब उनके माता–पिता ने अलग होने का फैसला किया था। उन्होंने कहा था कि भले ही उनका बचपन अच्छा रहा हो, लेकिन यह सब उनके लिए आसान नहीं था। मेरे माता–पिता के अलग होने से मुझे अपनी मां को एक नए नजरिए से देखने का मौका मिला।

करीना कपूर ने कहा, 'मुझे बोटॉक्स की ज़रूरत महसूस नहीं होती, मेरे पति मुझे सेक्सी पाते हैं'

अभिनेत्री करीना कपूर की आत्म–स्वीकृति और प्रामाणिकता की ओर यात्रा, उम्र बढ़ने को शालीनता से अपनाने का एक प्रमाण है। हार्पर बाज़ार पत्रिका के साथ एक साक्षात्कार में, अभिनेत्री ने प्राकृतिक सुंदरता के विचार का समर्थन किया और अपने रूप को बदलने के दबाव को आत्मविश्वास से अस्वीकार कर दिया। 44 की उम्र में, करीना ने अपने रूप को बदलने या युवावस्था का पीछा करने के दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा उम्र सुंदरता का एक हिस्सा है। यह रेखाओं से लड़ने या युवा दिखने की कोशिश करने के बारे में नहीं है; यह उस उम्र को अपनाने और उससे प्यार करने के बारे में है जिस पर आप हैं। मैं 44 साल की हूँ और मैंने कभी बेहतर महसूस नहीं किया। मुझे बोटॉक्स या किसी भी कॉस्मेटिक वृद्धि की आवश्यकता महसूस नहीं होती। मेरे पति मुझे सेक्सी पाते हैं, मेरे दोस्त कहते हैं कि मैं अद्भुत दिखती हूँ, और मेरी फ़िल्में सफल हो रही हैं। मैं ऐसी भूमिकाएँ निभाती हूँ जो मेरी उम्र को दर्शाती हैं और मुझे इस पर गर्व है। मैं चाहती हूँ कि लोग मुझे देखें कि मैं कौन हूँ और इसकी सराहना करें। इसके अलावा, उम्र बढ़ने और शरीर के प्रति आत्मविश्वास के मामले में अभिनेत्री का आत्मविश्वास हमेशा से ही अटल रहा है। करीना ने कहा, शुरू से ही मुझे भरोसा था कि मेरी प्रतिभा और समर्पण से मुझे काम मिलता रहेगा। मैंने अपना ख्याल रखा, फिट रही और खुद का सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनने पर ध्यान केंद्रित किया।ष अभिनय के प्रति करीना कपूर का जुनून स्टारडम से कहीं आगे है। अपने परिवार की अभिनय विरासत के प्रति गहरे सम्मान के साथ, वह हमेशा सफलता को चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं के साथ मिलाने के लिए दृढ़ संकल्पित रही हैं, जो एक अभिनेता के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करती हैं। उन्होंने कहा कि मेरा लक्ष्य हमेशा एक गंभीर अभिनेता के रूप में पहचाना जाना रहा है, न कि केवल एक स्टार के रूप में। जबकि एक स्टार होना बहुत अच्छी बात है, मैं हमेशा चुनौतीपूर्ण भूमिकाएँ निभाने की इच्छा से प्रेरित रही हूँ। एक समृद्ध अभिनय विरासत वाले परिवार से होने के कारण – मेरे दादा (राज कपूर), शशि कपूर, शम्मी कपूर, ऋषि कपूर और मेरी बहन करिश्मा – मैं यह साबित करना चाहती थी कि मैं एक स्टार होने के साथ–साथ एक गंभीर अभिनेता भी हो सकती हूँ। चाहे वह जब वी मेट की व्यावसायिक सफलता हो या उड़ता पंजाब (2018) का गहन ड्रामा, मैंने हमेशा ऐसी भूमिकाएँ चाही हैं जो मेरी सीमाओं को आगे बढ़ाएँ और मेरी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करें। काम के मोर्चे पर, करीना कपूर अपनी आगामी फिल्म द बकिंघम मर्डर्स की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। यह फिल्म 13 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के कलाकारों में करीना कपूर खान, ऐश टंडन, रणवीर बराड़ और कीथ एलन शामिल हैं। हंसल मेहता द्वारा निर्देशित और असीम अरोड़ा, कश्यप कपूर और राघव राज कक्कड़ द्वारा लिखित, यह महाना फिल्म्स और टीबीएम फिल्म्स प्रोडक्शन है, जिसे बालाजी टेलीफिल्म्स द्वारा प्रस्तुत किया गया है और शोभा कपूर, एकता आर कपूर और पहली बार निर्माता करीना कपूर खान द्वारा निर्मित है।

काजोल ने माधुरी दीक्षित का आइकॉनिक लुक किया रीक्रिएट, लोगों को फिर से आ गई निशा की याद

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल ने बैंगनी साड़ी पहनकर माधुरी दीक्षित को सम्मानित किया। काजोल के इस लुक को देख 1994 की क्लासिक फिल्म हम आपके हैं कौन से माधुरी के आइकॉनिक लुक की याद आ जाती है। अब सोशल मीडिया पर यह साड़ी चर्चा का विषय बनी हुई है। काजोल ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक के बाद एक कई तस्वीरें शेयर की जिसमें वह बैंगनी साड़ी पहने नजर आई। इस साड़ी की खूबसूरती को सुनहरे बॉर्डर, प्लीट्स में वाइन और ग्रीन कलर के शेड्स ने बढ़ाने का काम किया। मेकअप के लिए काजोल ने न्यूड लिप्स और हाईलाइटेड गालों का चुनाव किया। काजोल ने अपने बाल खुले रखे और गोल्डन नेकलेस के साथ अपने लुक को पूरा किया है। यह लुक दीदी तेरा देवर दीवाना गाने में माधुरी के लुक जैसा ही था। काजोल ने पोस्ट को कैप्शन दिया–हम आपके हैं कौन... ओड टू द ओजी माधुरी दीक्षित दीदरदेवरदीवाना रुसाड़ी। एक तस्वीर के देखने के बाद लोगों को फिर से ल्म श्हम आपके हैं कौनश की निशा ही याद आ गई। बता दें कि 1990 के दशक में इस फिल्म द्वारा शुरू किए गए कई ट्रेंड में से, सबसे यादगार में से एक बैंगनी साड़ियों का क्रेज था जो फिल्म के प्रतिष्ठित शादी के दृश्यों से प्रेरित था। पिछले दिनों दीपिका ने भी कुछ ऐसा ही लुक कैरी किया था।

तलाक की खबरों पर आरती रवि ने तोड़ी चुप्पी, जयम रवि के एकतरफा तलाक के फैसले और सार्वजनिक घोषणा पर हैरानी

आरती रवि ने जयम रवि के तलाक की घोषणा पर तोड़ी चुप्पीरू श्लोकप्रिय तमिल अभिनेता जयम रवि की पत्नी आरती रवि ने हाल ही में अपने अलगाव की सार्वजनिक घोषणा को संबोधित करते हुए एक भावपूर्ण बयान जारी किया है। जयम रवि द्वारा की गई इस घोषणा ने आरती और उनके बच्चों दोनों को आश्चर्यचकित कर दिया है, क्योंकि उन्होंने खुलासा किया है कि उन्हें पहले से सूचित नहीं किया गया था। अपने बयान में, आरती ने घोषणा की सार्वजनिक प्रकृति पर गहरा सदमा और दुख व्यक्त किया। उन्होंने अपने विश्वास को रेखांकित किया कि इस तरह के निजी मामले को अधिक शालीनता, सम्मान और गोपनीयता के साथ संभाला जाना चाहिए था। आरती के बयान में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि शादी के 18 साल बाद, उन्हें लगता है कि इस अचानक सार्वजनिक प्रकटीकरण में उनके और उनके परिवार दोनों की भलाई पर पर्याप्त रूप से विचार नहीं किया गया। आरती ने कहा, कुछ समय से, मैं अपने पति से सीधे बात करने के कई अवसर तलाश रही थी, उम्मीद है कि हम एक–दूसरे और अपने परिवार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का सम्मान करते हुए एक खुली बातचीत कर सकेंगे। दुख की बात है कि मुझे वह अवसर नहीं मिला, जिससे मेरे दोनों बच्चे और मैं इस घोषणा से पूरी तरह स्तब्ध रह गए।

जयम रवि द्वारा एकतरफा तलाक के फैसले पर आरती रवि ने टिप्पणी की

आरती के बयान में आगे बताया गया है कि विवाह को समाप्त करने का निर्णय एकतरफा था और यह उनके परिवार के सर्वोत्तम हितों की पूर्ति नहीं करता है। व्यक्तिगत दर्द के बावजूद, उन्होंने अपनी गरिमा बनाए रखने का फैसला किया और अब तक सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने से परहेज किया। घोषणा के बाद सामने आए झूठे आख्यानों और उनके चरित्र पर हमलों से वह बहुत प्रभावित हुई हैं। आरती ने पुष्टि की, मेरी पहली प्राथमिकता मेरे बच्चों की भलाई है और हमेशा रहेगी। जब तक यह आख्यान उन्हें प्रभावित करता रहेगा, मैं चुप नहीं रह सकती, और मैं इन निराधार आरोपों को अनदेखा नहीं होने दूंगी। उन्होंने अपने बच्चों की भलाई पर ध्यान केंद्रित करने और इस चुनौतीपूर्ण अवधि को मजबूती और ईमानदारी के साथ पार करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। अपने निष्कर्ष में, आरती ने प्रेस, मीडिया और प्रशंसकों के प्रति वर्षों तक उनके अटूट समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस कठिन दौर से गुज़रते हुए उनकी निजता का सम्मान जारी रखने का अनुरोध किया। अभिनेता जयम रवि ने पहले ही अपनी वैवाहिक स्थिति के बारे में महीनों की अटकलों के बाद आरती को तलाक देने के अपने फ़ैसले की घोषणा की थी। तमिल सिनेमा में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाने जाने वाले जयम रवि ने इस कठिन समय के दौरान निजता और समझदारी की माँग की थी, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह फ़ैसला काफ़ी सोच–विचार और चिंतन के बाद लिया गया था।

गणेश महोत्सव के दौरान जयपुर के इस प्रसिद्ध मंदिर में दर्शन करने जाएं, बिना सूंड वाले गणपति की होती है पूजा

गणेश उत्सव की शुरुआत 7 सितंबर 2024 से शुरु हो गई है और यह महात्सोव 10 दिन तक चलता है। इस समय भगवान गणेश के मंदिरों की सुंदरता देखने लायक होती है। हर जगह–जगह पंडाल और मेले लगे हुए हैं। मंदिरों को खूब सजाया गया है। अगर आप भी बप्पा के अनोखे मंदिर का दर्शन करना चाहते हैं तो यह लेख आपके लिए है। आज के इस लेख में हम आपको ऐसे अनोखे मंदिर के बारे में बताएंगे, जिसे भारत के सबसे अनोखे मंदिर में एक माना जाता है। दरअसल, यह मंदिर जयपुर में नाहरगढ़ किले के पास पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। यहां केवल आप मंदिर की खूबसूरती ही नहीं, बल्कि पूरे जयपुर शहर का शानदार नजारा देख सकते हैं। आपको बता दें इस मंदिर को घार्मिक स्थल के साथ–साथ लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी माना जाता है। पहाड़ियों पर स्थित होने के बाद मंदिर का वातावरण अत्यंत शांत और प्राकृतिक संदुरता से भरपूर है।

गढ़ गणेश मंदिर कैसे जाएं

–सड़क मार्ग – जयपुर जाने के लिए देश के हर हिस्से बसें जाती हैं। यहां निजी और राज्य परिवहन की बसों से पहुंच सकते हैं। इस मंदिर में पहुंचने के लिए आमेर रोड तक आपको बस लेना होगा। इसके बाद आप ऑटो रिक्शा और ई–रिक्शा बुक करके मंदिर पहुंच सकते हैं।

– ट्रेन से – अगर आप ट्रेन से जाने की सोच रहे हैं तो आप जयपुर जंक्शन स्टेशन सबसे नजदीक है। इसके बाद आप कैब या ऑटो बुक करना होगा। मंदिर तक आपको 5–6 किलोमीटर की दूरी तय करनी होगी।

– हवाई यात्रा से – जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद आप कैब या ऑटो बुक कर सकते हैं। यहां से गढ़ गणेश मंदिर की दूरी 5–6 किलोमीटर की दूरी तय करनी होगी।

पूरे दिन टस से मस नहीं होगी लिपस्टिक, बस अजमा लें ये आसान से तरीके

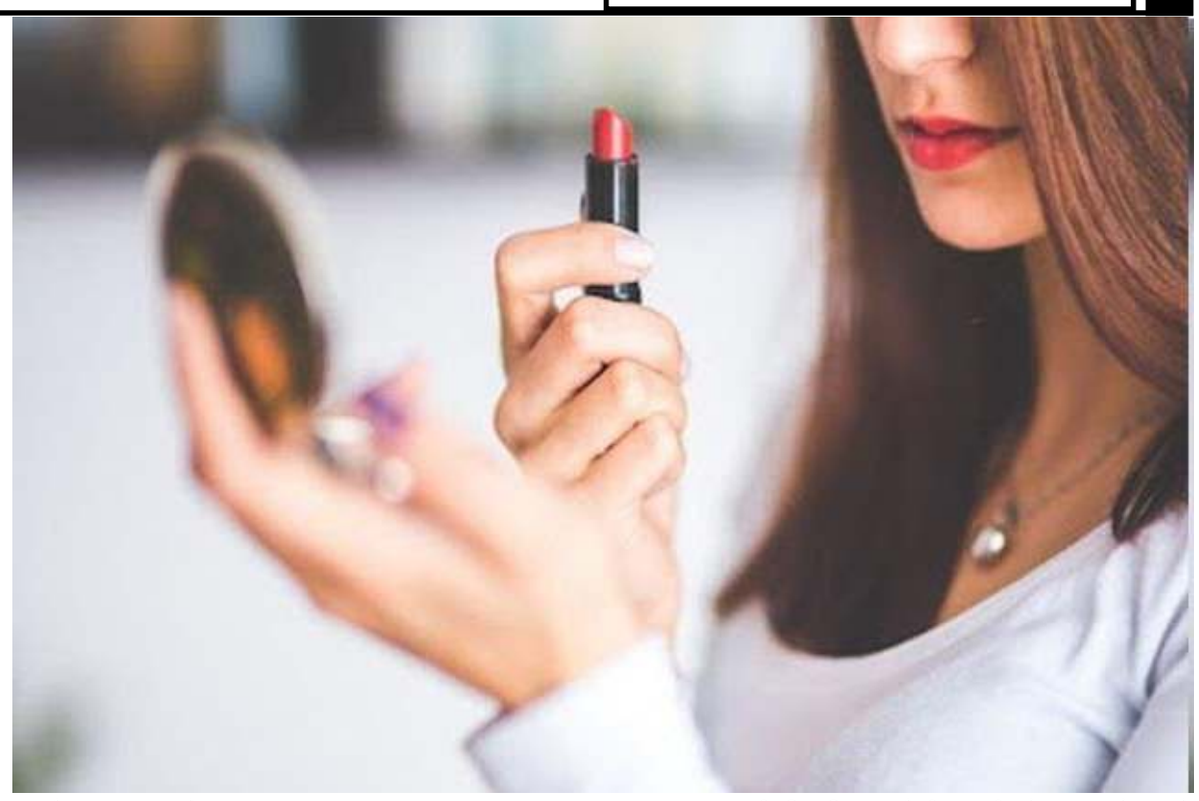

लड़कियों के लिए लिपस्टिक बहुत जरूरी होती है, इसके बीना तो उन्हें अपना मेकअप अधूरा लगता है। ज्यादातर लिपस्टिक कुछ ही देर में हटने लग जाती है, इससे पूरा लुक खराब हो जाता है। लंबे समय तक होंठों पर लिपस्टिक टिकी रहे, इसके लिए कुछ आसान और प्रभावी तरीके हैं जिन्हें आप आजमा सकते हैं। सही तैयारी और तकनीकों का उपयोग करने से आपकी लिपस्टिक घंटों तक ताजा और खूबसूरत बनी रहेगी, चाहे आप किसी पार्टी में हों या फिर रोजमर्रा की दिनचर्या में।

लिपस्टिक को लंबे समय तक टिकाने के तरीके

लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों को स्क्रब करें ताकि डेड स्किन हट जाए और होंठ स्मूद हों। आप शुगर और शहद का स्क्रब इस्तेमाल कर सकती हैं। स्क्रब के बाद होंठों पर एक हल्की मॉइस्चराइजर या लिप बाम लगाएं ताकि होंठ हाइड्रेटेड रहें और लिपस्टिक लगाने के समय सूखापन न हो।

प्राइमर का उपयोग करें

लिप प्राइमर का उपयोग करने से लिपस्टिक के लिए एक अच्छा बेस तैयार होता है। यह लिपस्टिक को स्मूद बनाता है और उसे लंबे समय तक टिकने में मदद करता है।

लिप लाइनर का उपयोग करें

लिपस्टिक लगाने से पहले, अपने होंठों की सीमा के अनुसार लिप लाइनर का उपयोग करें। यह न केवल होंठों को परफेक्ट शेप देता है, बल्कि लिपस्टिक को फैलने से भी रोकता है। लिप लाइनर को पूरे होंठों पर भरें ताकि लिपस्टिक का बेस मजबूत हो।

ट्रांसलूसेंट पाउडर का इस्तेमाल

लिपस्टिक की आखिरी परत के बाद एक पतले टिशू पेपर को होंठों पर रखें और इसके ऊपर हल्का सा ट्रांसलूसेंट पाउडर ब्रश से लगाएं। यह पाउडर लिपस्टिक को सेट कर देगा और उसे लंबे समय तक टिका रहने में मदद करेगा।

मैट लिपस्टिक चुनें

मैट लिपस्टिक की फिनिश ग्लॉसी या क्रीमी लिपस्टिक से ज्यादा लंबे समय तक टिकती है। अगर आपके पास मैट लिपस्टिक नहीं है, तो अपनी पसंदीदा लिपस्टिक को सेट करने के लिए ऊपर बताए गए पाउडर वाले तरीके का इस्तेमाल करें।

टच–अप किट साथ रखें

अगर आपकी लिपस्टिक थोड़ी हल्की हो जाए, तो अपने साथ लिपस्टिक और लिप लाइनर रखकर टच–अप कर सकती हैं। यह सुनिश्चित करेगा कि आपका लुक हमेशा परफेक्ट रहे।

इन बातों का भी रखें ख्याल

–लिपस्टिक को बने रहने के लिए खाने–पीने के दौरान ध्यान दें। स्ट्रॉ का इस्तेमाल करें और होंठों पर सीधे भोजन न लगाएं।

– मोटी परतों के बजाय हल्की परतों में लिपस्टिक लगाएं ताकि यह होंठों पर ज्यादा टिके और स्मज न हो।

–इन सरल तरीकों का पालन करके आप बिना बार–बार टच–अप किए अपनी लिपस्टिक को लंबे समय तक टिकाए रख सकती हैं।

काले तिल के पानी से बाल धोने से मिलेगे गजब के फायदे

आज हम बात करेंगे एक ऐसे प्राकृतिक उपाय के बारे में, जो आपके बालों को नया जीवन दे सकता है। अक्सर हम बालों की देखभाल के लिए शैंपू और कंडीशनर का उपयोग करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि काले तिल के पानी से भी बाल धोने से गजब फायदे हो सकते हैं? काले तिल, जिसे हम तिल के नाम से भी जानते हैं, सिर्फ खाने का स्वाद नहीं बढ़ाता, बल्कि यह आपके बालों के लिए भी बेहद लाभकारी साबित हो सकता है। काले तिल के पानी में ऐसे कई पोषक तत्व होते हैं, जो बालों को मजबूत, चमकदार और स्वस्थ बनाए रखते हैं। हम जानेंगे कि काले तिल के पानी से बाल धोने के क्या–क्या फायदे हैं और यह आपके बालों के लिए कैसे फायदेमंद हो सकता है। तो चलिए, बिना देर किए शुरू करते हैं और जानते हैं कि कैसे काले तिल का पानी आपके बालों के लिए एक वरदान हो सकता है!

बालों का झड़ना कम होता है

काले तिल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स बालों की जड़ों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब आप काले तिल के पानी से बाल धोते हैं, तो यह बालों की जड़ों को मजबूती प्रदान करता है और बालों का झड़ना कम होता है। यह तिल के पानी में मौजूद आवश्यक पोषक तत्वों के कारण होता है, जो बालों की वृद्धि को प्रोत्साहित करते हैं और उन्हें मजबूत बनाते हैं।

ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है

बालों की सेहत के लिए अच्छे ब्लड सर्कुलेशन की आवश्यकता होती है। काले तिल के पानी से बाल धोने से स्कैल्प की मांसपेशियों को रिलैक्स मिलता है, जिससे रक्त प्रवाह बेहतर होता है। बेहतर ब्लड सर्कुलेशन से स्कैल्प में अधिक पोषक तत्व पहुँचते हैं, जो बालों की ग्रोथ को बेहतर बनाते हैं और बालों का झड़ना रुकता है।

सफेद बालों की समस्या कंट्रोल होती है

सफेद बालों की समस्या उम्र बढ़ने के साथ आम होती जा रही है। लेकिन काले तिल का पानी बालों को नैचुरली काला बनाए रखने में मदद करता है। काले तिल में पिगमेंट्स होते हैं जो बालों के प्राकृतिक रंग को बनाए रखने में सहायक होते हैं। इससे सफेद बालों की समस्या कम होती है और बालों का रंग लंबा समय तक बना रहता है।

बालों की हेल्दी ग्रोथ होती है

बालों की स्वस्थ वृद्धि के लिए भी काले तिल का पानी बेहद फायदेमंद होता है। इसके उपयोग से बालों की जड़ें मजबूत होती हैं, हेयर फॉलिकल्स स्वस्थ रहते हैं और बालों की ग्रोथ में तेजी आती है। काले तिल का पानी बालों को पोषण प्रदान करता है, जिससे बालों की ग्रोथ तीन गुना बढ़ सकती है।

उपयोग करने का तरीका

कुछ काले तिल को पानी में भिगोकर एक रात के लिए छोड़ दें। अगले दिन, तिल को पानी से छान लें। तिल के पानी को अपने बालों और स्कैल्प पर लगाकर अच्छे से मालिश करें और कुछ समय के लिए छोड़ दें। लास्ट में, ताजे पानी से बाल धो लें।काले तिल के पानी से बाल धोना बालों की सेहत के लिए एक प्राकृतिक और प्रभावी तरीका हो सकता है। इसके नियमित उपयोग से आप बालों के झड़ने, सफेद बालों और अन्य समस्याओं से राहत पा सकते हैं। अगर आप स्वस्थ और सुंदर बालों की चाह रखते हैं, तो काले तिल का पानी आपकी हेयरकेयर रूटीन में एक महत्वपूर्ण जगह बना सकता है।

जिद्दी से जिद्दी चर्बी मक्खन की तरह पिघल जाएगी, रोजाना पिएं एप्पल साइडर विनेगर

आज के समय सबसे ज्यादा लोग मोटापे से परेशान है। मोटापा की वजह से कई खतरनाक बीमारियां बढ़ने लगती है। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो आज से ही सेब का सिरका का सेवन शुरु कर दें।

एप्पल साइडर विनेगर (एसीवी) ने वजन घटाने के लिए एक संभावित सहायता के रूप में लोकप्रिय है, सेब का सिरका के मुख्य रुप से विभिन्न स्वास्थ्य लाभों के कारण जाना जाता है। किण्वित सेब के रस से बने, ।ब्ट में एसिटिक एसिड होता है, जो इसके वजन घटाने के प्रभावों में योगदान देने वाला प्रमुख यौगिक माना जाता है।

एप्पल साइडर सिरका वजन घटाने में कैसे मदद कर सकता है

भूख को कंट्रोल

कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि एसीवी तृप्ति की भावना को बढ़ाकर भूख को कम करने में मदद कर सकता है। इससे संभावित रूप से समय के साथ कैलोरी की मात्रा कम हो सकती है।

रक्त शर्करा विनियमन

मेटाबॉलिज्म बूस्ट

एसीवी में मौजूद एसिटिक एसिड मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा दे सकता है, जो वसा जलने और ऊर्जा व्यय को बढ़ा सकता है।

पाचन स्वास्थ्य

माना जाता है कि एसीवी पेट में एसिड उत्पादन को बढ़ाकर पाचन में सहायता करता है, जो पोषक तत्वों के अवशोषण में सुधार कर सकता है और पाचन में मदद कर सकता है।

डिटॉक्स करता

एसीवी को अक्सर एक विषहरण एजेंट के रूप में जाना जाता है जो शरीर से विषाक्त पदार्थों को साफ करने में मदद करता है, हालांकि इसका समर्थन करने वाले वैज्ञानिक प्रमाण सीमित हैं।

एप्पल साइडर सिरका कैसे वजन कम करने में मदद कर सकता है

मॉर्निंग डिटॉक्स ड्रिंक

अपने दिन की शुरुआत एक गिलास गर्म पानी में 1–2 बड़े चम्मच एसीवी मिलाकर करें। यह आपके चयापचय को किकस्टार्ट करने और पूरे दिन वसा जलने को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है।

भूख कंट्रोल करता है

भोजन से पहले, अपनी भूख को नियंत्रित करने के लिए पानी और एसीवी का मिश्रण पियें। इससे कैलोरी की मात्रा कम हो सकती है और वजन घटाने में सहायता मिल सकती है।

सलाद ड्रेसिंग में यूज करें

घर में बने सलाद ड्रेसिंग के आधार के रूप में ।ब्ट का उपयोग करें। यह न केवल स्वाद बढ़ाता है बल्कि रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर करने में भी मदद करता है, जिससे क्रेविंग को रोका जा सकता है।

पाचम में सहायता करता

पाचन में सहायता और वसा संचय को रोकने के लिए भोजन के बाद थोड़ी मात्रा में पतला एसीवी पियें। यह आपके शरीर की भोजन को कुशलता से तोड़ने की क्षमता को बढ़ा सकता है।

मेटाबॉलिज्म बढ़ाने वाला अमृत

मेटाबॉलिज्म बढ़ाने वाला अमृत पाने के लिए एसीवी को शहद, नींबू और दालचीनी के साथ पानी में मिलाएं। इससे ऊर्जा व्यय बढ़ाने और वजन घटाने के प्रयासों का समर्थन करने में मदद मिल सकती है।

संक्षिप्त

स्टारबक्स सीईओ ब्रायन निकोल ने युवाओं को दी करियर की सलाह, कहा- आपको विश्वास करना होगा

स्टारबक्स को उसका नया सीईओ ब्रायन निकोल मिल चुका है, जो काफी अनुभवी है। जानकारों ने उन्हें एक हॉल ऑफ फेम रेस्तरां का सीईओ कहा है। इतनी तारीफ मिलने के बाद भी 50 वर्षीय निकोल अपनी सफलता का श्रेय एक ऐसी सलाह को देते हैं जो उन्होंने खुद भी अपने करियर में लागू की है। उन्होंने इस सलाह को अपने करियर की शुरुआत में अपनाया था। उन्होंने युवाओं को भी सलाह देते हुए कहा है कि अपने आप पर विश्वास करें। मई 2024 में ऑक्सफोर्ड में मियामी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बोलते हुए, निकोल ने आत्मविश्वास और दृढ़ता के महत्व पर विचार किया। ग्रैजुएशन की डिग्री हासिल कर रहे युवाओं से उन्होंनेकहा, ष्आपको खुद पर विश्वास रखना होगा और हार न मानने का साहस रखना होगा, खासकर तब जब चीजें आपके अनुरूप नहीं चल रही हों। निकोल ने बताया कि वह अपने करियर लक्ष्यों की ओर प्रगति को ट्रैक करने के लिए एक ष्पुरानी नोटबुकष का उपयोग करते हैं। दूसरों को भी ध्यान केंद्रित करने के तरीके खोजने की सलाह देते हैं। उन्होंने आग्रह किया, ष्अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखने के लिए आपको जो कुछ भी करना है, करें और विश्वास रखें कि आप यह कर सकते हैं। सीएनबीसी मेक इट के साथ एक साक्षात्कार में, निकोल ने अपनी स्ध्वाभाविक प्रवृत्ति पर भरोसा करने के की अहमियत पर बात की है। उन्होंने कहा, ष्आपके करियर में ऐसे समय आएंगे जब आपकी अंतरात्मा झनझना उठेगी। उस स्ध्वाभाविक प्रवृत्ति के लिए जगह बनाएं और कार्रवाई करें। अपनी इंस्टिक्ट पर भरोसा करें। स्टारबक्स के भूतपूर्व अध्यक्ष मेलोडी हॉब्सन, जिन्होंने कंपनी की बागडोर निकोल को सौंपी है। उन्होंने इस बारे में जानकारी साझा की कि क्यों वह सीईओ की भूमिका के लिए सबसे बेहतरीन उम्मीदवार थे। हॉब्सन ने खुलासा किया कि निकोल का आत्मविश्वास, जो पाँच शब्दों के वाक्यांश – ष्मुझे पता है कि क्या करना हैष में हैरान था। इन शब्दों ने ही बोर्ड को आश्वस्त किया कि वह कंपनी के लिए सही नेतृत्व देने में समर्थ है।

पेटीएम के विजय शेखर शर्मा का पीएम मोदी को दिया 'धन्यवाद'

पेटीएमपेटीएम कंपनी की 24वीं एनुअल जनरल मीटिंग का आयोजन किया गया है। इस बैठक में पेटीएम के सीईओ विजय शेखर शर्मा ने भी संबोधन दिया है। इस दौरान उन्होंने एआई की ताकत, पिछले छह महीनों में सीखे गए सबक और कंपनी के भविष्य के रोडमैप के बारे में बात की है। विजय शेखर शर्मा ने क्यूआर इनोवेशन को उजागर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा, "आज भारत उस मुकाम पर खड़ा है जहां पूरी दुनिया भारत के भुगतान और

इसकी डिजिटल क्रांति की चर्चा कर रही है। हम, एक राष्ट्र के रूप में, वित्तीय प्रौद्योगिकी में अग्रणी बनने के लिए छलांग लगा चुके हैं, और अब हमारे पास उस नेतृत्व को एआई प्रौद्योगिकी में विस्तारित करने का अवसर और दायित्व है। पेटीएम के फोकस को साझा करते हुए विजय शेखर शर्मा ने कहा, मेरे बोर्ड के सदस्यों ने मुझे बेंचमार्क के रूप में मैव्च से पहले म्ठप्ज्क। से च।ज (टैक्स के बाद लाभ) पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। हम मानते हैं कि ESOP से पहले EBITDA, अपने बड़े मैव्च चार्ज के कारण, हमारे वित्तीय स्वास्थ्य की केवल आंशिक तस्वीर प्रदान करता है। हमारी प्रतिबद्धता अब PAT पर ध्यान केंद्रित करने की है, जो वास्तविक लाभप्रदता की ओर हमारे प्रयास को दर्शाता है। अपनी कंपनी के एआई फोकस पर विचार करते हुए विजय शेखर शर्मा ने कहा, मैं खुद को कंपनी के एक नेविगेटर के रूप में भी देखता हूं। उद्योग बदलेंगे और उनका गहरा प्रभाव पड़ेगा। एआई की शक्ति घातीय हो जाएगी। हम वित्तीय प्रौद्योगिकी में अग्रणी बन गए हैं और एआई प्रौद्योगिकी में भी इसी तरह आगे बढ़ रहे हैं। पेटीएम के अध्यक्ष मधुर देवड़ा ने कहा कि कंपनी की बैलेंस शीट मजबूत है और वित्त वर्ष 24 तक नकद शेष 8,500 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा, ष्पेटीएम प्रौद्योगिकी आधारित सेवाओं के माध्यम से आधे अरब भारतीयों को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था में लाना चाहता है। हमारा पेटीएम साउंडबॉक्स केवल सफल लेनदेन की घोषणा करके व्यापारियों के लिए धोखाधड़ी को रोकता है और भुगतान सत्यापन के समय और प्रयास को हटाकर दक्षता में सुधार करता है।

आखिरी सत्र में गुलजार हुआ बाजार, सेंसेक्स 1500 अंक चढ़ा, निफ्टी 25300 के करीब पहुंचा

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में वैश्विक निवेश बढ़ने से घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को झूम उठा। आखिरी सत्र में बाजार में मजबूत बढ़ दिखी। 2 बजकर 54 मिनट पर सेंसेक्स 1,236.04 (1.51प्रतिशत) अंक उछलकर 82,772.87 पर पहुंच गया। दूसरी ओर, निफ्टी 369.50 (1.48प्रतिशत) अंक चढ़कर 25,287.95 पर पहुंच गया। बाजार में यह मजबूती एचडीएफसी बैंक और एयरटेल के शेयरों में मजबूती से आई। गुरुवार को बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 5.14 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 465.9 लाख करोड़ रुपये हो गया। अमेरिका में जारी हालिया महंगाई के आंकड़ों में स्थिरता दिखी है। सीएमई फेडवॉच के अनुसार, इससे 18 सितंबर को फेड की ओर से दरों में 25 आधार अंकों की कटौती की संभावना 66प्रतिशत से बढ़कर 85प्रतिशत हो गई, जबकि 50–बीपीएस की बड़ी कटौती की संभावना 34प्रतिशत से घटकर 15प्रतिशत रह गई। आईटी कंपनियां, जो अपने राजस्व का एक बड़ा हिस्सा अमेरिका से प्राप्त करती हैं, में गुरुवार को 1प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त, निफ्टी बैंक, ऑटो, वित्तीय सेवाएँ, स्वास्थ्य सेवा और तेल एवं गैस क्षेत्रों में भी 1प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम का ऐलान, नजमुल हुसैन शंटो को मिली कप्तानी

19 सितंबर से भारत और पाकिस्तान के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। वहीं इस सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम का ऐलान बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने किया है, जिनमें ज्यादातर वही खिलाड़ी हैं, जो पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीत में शामिल थे। नजमुल हुसैन शंटो कप्तानी करते नजर आएंगे।

19 सितंबर से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश की टीम का ऐलान हो गया है। वहीं इस सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम का ऐलान बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने किया है, जिनमें ज्यादातर वही खिलाड़ी हैं, जो पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीत में शामिल थे। नजमुल हुसैन शंटो कप्तानी करते नजर आएंगे। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड यानी बीसीबी ने एक अनकैप्ड बैटर को टीम में शामिल किया है, जबकि शोरीफुल इस्लाम चोट के कारण बाहर हैं। बोर्ड ने जाकेर अली को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया है। बांग्लादेश ने हाल ही में दो मैचों की टेस्ट सीरीज में पाकिस्तान का सूपड़ा साफ किया था। ऐसे में टीम के हौसले बुलंद होंगे और यही कारण कि टीम पेस बैटरी के साथ भारत आएगी। 19 सितंबर से भारत और बांग्लादेश के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस मुकाबले के लिए बांग्लादेश की टीम 15 सितंबर को चेन्नई पहुंचेगी। भारतीय खिलाड़ियों को आज यानी 12 सितंबर को चेन्नई में रिपोर्ट करना है। वहीं, दूसरा मुकाबला कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में 27 सितंबर से खेला जाएगा। इसके बाद दोनों देशों के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जानी है। दोनों मैच भारतीय समय के अनुसार सुबह साढ़े 9 बजे से शुरू होंगे।

बांग्लादेश की टीम इस प्रकार है

नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), शादमान इस्लाम, जाकिर हसन, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिटन दास, मेहदी हसन मिराज, जाकेर अली, तस्किन अहमद, हसन महमूद, नाहिद राना, तैजुल इस्लाम, महमदुल हसन जॉय, नईम हसन और खालेद अहमद।

पहला टेस्ट मैच– 19 सितंबर से चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में

दूसरा टेस्ट मैच– 27 सितंबर से कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम

'धोनी ने चार शतक लगाए थे, लेकिन...', पोंटिंग की ऑस्ट्रेलिया को चेतावनी, इस खिलाड़ी से बचने को कहा

सिडनी। भारतीय क्रिकेट टीम को अब आने वाले समय में कुछ मुश्किल टेस्ट सीरीज का सामना करना है। भारत को एक के बाद एक 10 टेस्ट खेलने हैं। इनमें बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज

के बाद न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच शामिल हैं। बाकी टेस्ट भारतीय टीम को अपनी जमीन पर खेलने हैं, जबकि नवंबर–दिसंबर में टीम इंडिया को बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है। अगले साल होने वाले विश्व टेस्ट चौंपियनशिप फाइनल के लिए यह सीरीज रोहित एंड कंपनी के लिए महत्वपूर्ण होगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया फिलहाल विश्व टेस्ट चौंपियनशिप अंक तालिका में शीर्ष दो स्थान पर हैं। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाजों में शुमार रिकी पोंटिंग ने अपनी ही टीम को बचकर रहने के लिए कहा है। खासतौर पर उन्होंने ऋषभ पंत से ऑस्ट्रेलियाई टीम को बचकर रहने के लिए कहा है। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर–बल्लेबाज पंत को दिसंबर 2022 को जानलेवा कार दुर्घटना का सामना करना पड़ा था। दिल्ली–देहरादून राजमार्ग पर कार के डिवाइडर से टकराने के बाद उन्हें कई गंभीर चोटें आईं थीं। हालांकि, पंत ने इस साल मैदान पर शानदार वापसी की। आईपीएल में कुछ बेहतरीन पारी खेलने के बाद पंत ने हाल ही में दलीप ट्रॉफी से रेड बॉल क्रिकेट में वापसी की। जून में पंत ने भारत के टी20 विश्व कप जीत में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अब उनके इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम में चुना जाना तय माना जा रहा है। पंत को पिछली बार (2020–21) की तरह ही मध्यक्रम में टीम के लिए अहम भूमिका निभानी होगी। पोंटिंग ने पंत की शानदार वापसी पर खुलकर बात की और उन्हें मैच विजेता के रूप में सराहा। पोंटिंग ने स्काई स्पोर्ट्स के दिए बयान में कहा, श्हम सभी ने उन्हें खेलते हुए देखा है और उन्हें स्टंप माइक में सुना है। वह टीम के आसपास रहना पसंद करते हैं और सबको साथ लेकर चलना पसंद करते हैं। वह अपने क्रिकेट से प्यार करते हैं। वह एक विजेता खिलाड़ी हैं। वह सिर्फ कुछ रन बनाने और मजे के लिए मैच नहीं खेलते। पंत पहले ही चार या पांच टेस्ट शतक जड़ चुके हैं और उन्होंने नौ बर 90 में रन बनाए हैं। एमएस धोनी ने 90 टेस्ट खेले और तीन या चार शतक (धोनी ने 6 टेस्ट शतक लगाए थे) बनाए। पंत कितने अच्छे हैं, यह इससे साबित होता है। वह एक गंभीर क्रिकेटर हैं। पोंटिंग दिल्ली कैपिटल्स में पंत के कोच थे और उनकी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया के दौरान लगातार उनके संपर्क में थे। मानसिक और शारीरिक चुनौतियों के बावजूद पोंटिंग ने समय से पहले पंत की वापसी के लिए उनकी तारीफ की। उन्होंने कहा, श्यह शानदार वापसी की कहानी रही है। अगर आप अब उनके पैर को देखें और उन कहानियों को सुनें, जिनका उन्होंने अपनी कार दुर्घटना के दौरान सामना किया था तो उससे आप मानसिक तनाव महसूस कर सकते हैं,

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

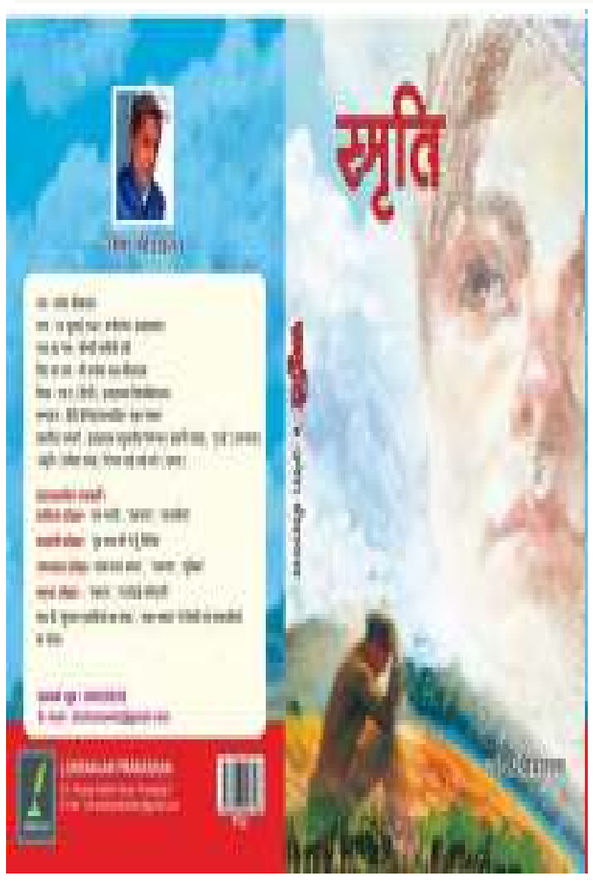

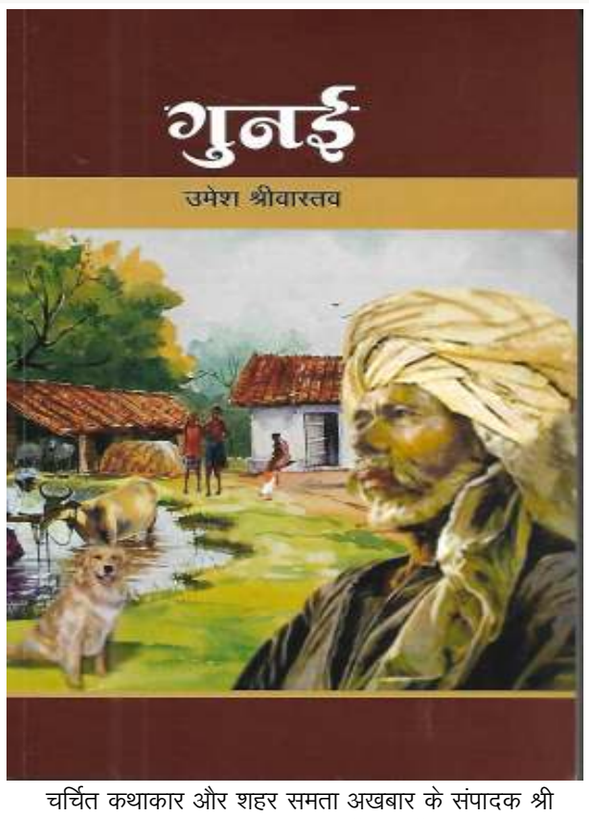

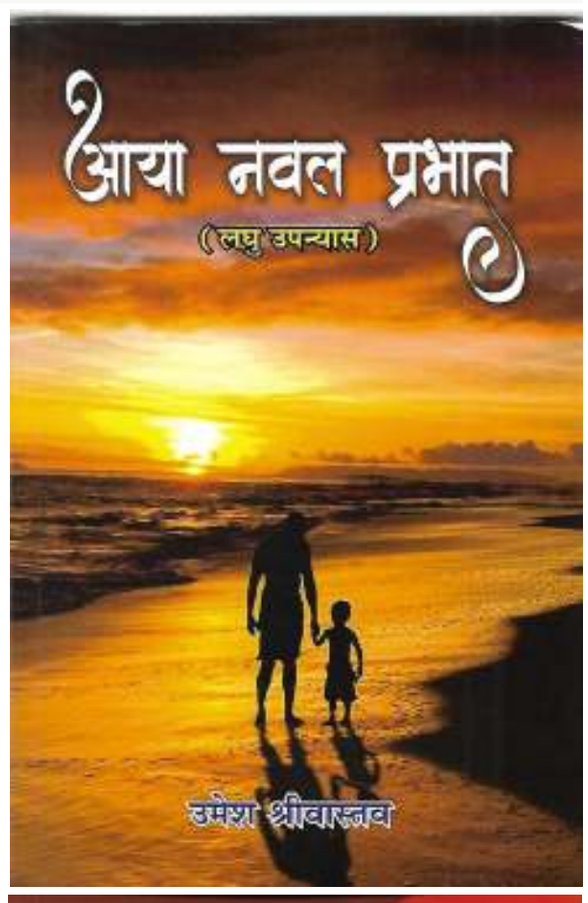

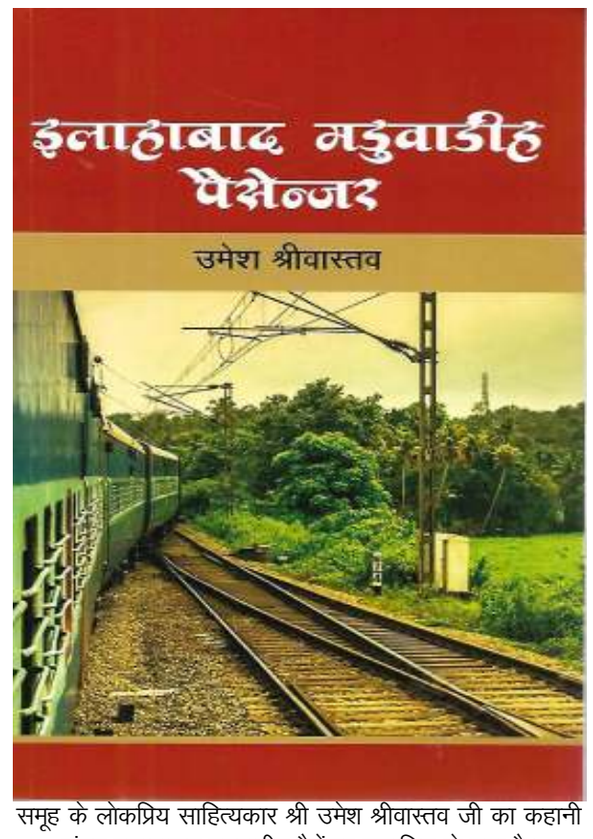

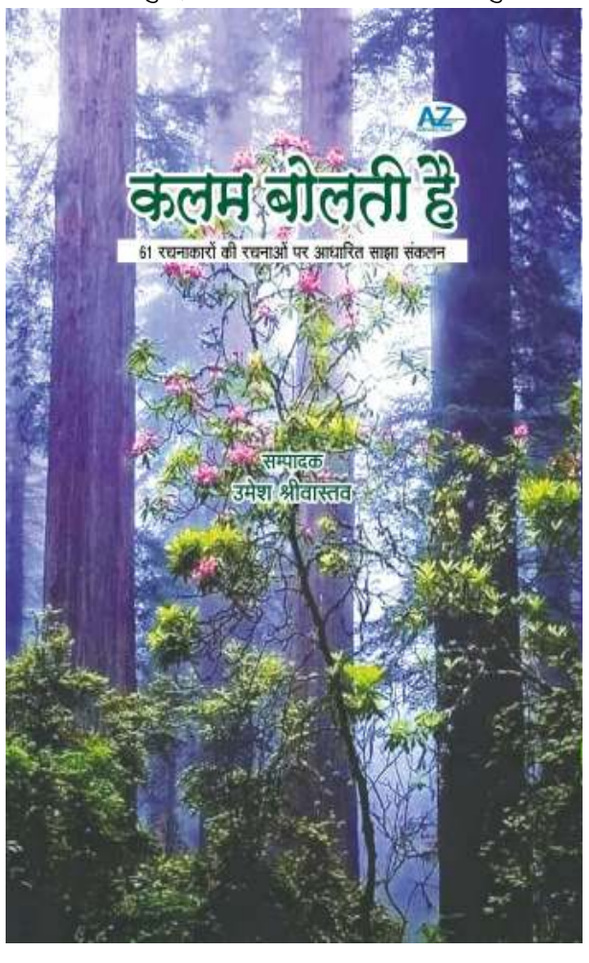

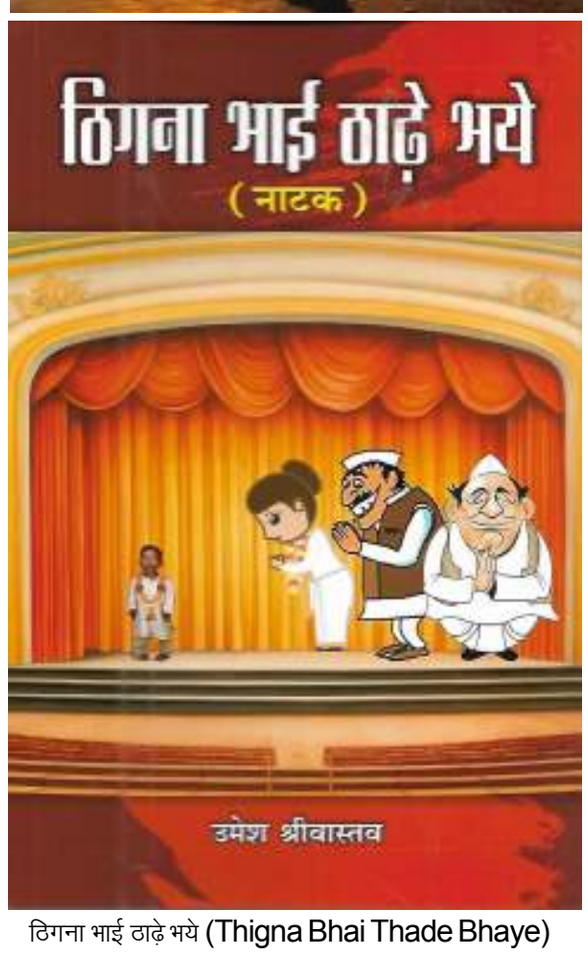

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

भारत के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं लेकिन यह समानता के आधार पर होना चाहिए : यूनुस

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनुस ने बुधवार को कहा कि उनका देश भारत और अन्य पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहता है और यह ''निष्पक्षता और समानता'' के आधार पर होने चाहिए। अंतरिम सरकार के गठन का एक महीना पूरा होने के अवसर पर यूनुस ने टेलीविजन के जरिये संबोधन में कहा कि प्रशासन के प्रमुख के रूप में शपथ लेने के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सहित कई अन्य देशों के नेताओं ने उन्हें बधाई देने के

लिए फोन किया था। उन्होंने कहा, ''हम भारत और अन्य पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं, लेकिन ये संबंध निष्पक्षता और समानता के आधार पर होने चाहिए।'' यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश ने बाढ़ से निपटने के लिए भारत के साथ उच्च स्तरीय द्विपक्षीय सहयोग वार्ता शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, ''मैंने दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए दक्षेस को पुनर्जीवित करने की भी पहल की है।'' दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल हैं। यूनुस ने कहा, ''हम चाहते हैं कि विश्व बांग्लादेश को एक सम्मानित लोकतंत्र के रूप में मान्यता दे।

'सोयूज' अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना, दो रूसी और एक अमेरिकी यात्री सवार

'सोयूज' अंतरिक्ष यान ने दो रूसी और एक अमेरिकी यात्री को लेकर बुधवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए उड़ान भरी। कजाकिस्तान के बैकोनूर स्थित रूस के अंतरिक्ष प्रक्षेपण केंद्र से एक विशाल रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष कैप्सूल को अंतरराष्ट्रीय समयानुसार शाम चार बजकर 23 मिनट पररवाना

किया गया। मिशन कमांडर रूस के एलेक्सी ओविचिनिन हैं तथा चालक दल में उनके हमवतन इवान वैगनर और अमेरिकी डोनाल्ड पेटिट शामिल हैं। अंतरिक्ष कैप्सूल को अंतरराष्ट्रीय समयानुसार शाम चार बजकर 23 मिनट पररवाना किया गया।

उत्तर कोरिया ने समुद्र की ओर बैलिस्टिक मिसाइल दागीं : दक्षिण कोरिया

दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा है कि उत्तर कोरिया ने बृहस्पतिवार को समुद्र की ओर कम दूरी की कई बैलिस्टिक मिसाइल दागीं। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक दिन पहले ही दुश्मनों के साथ लड़ाई में देश की परमाणु क्षमता को पूरी तरह से तैयार रखने का संकल्प लिया था। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ' ने कहा कि उसे उत्तर कोरिया की राजधानी से दागी गई मिसाइलों का पता चला जो 360 किलोमीटर की दूरी पर कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच समुद्र क्षेत्र में जाकर गिरीं। जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ

किशिदा ने अधिकारियों को जहाजों एवं विमान की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया लेकिन तत्काल किसी क्षति की कोई सूचना नहीं है। मिसाइलों ने जितनी दूरी तय की है उससे प्रतीत होता है कि इन्हें दक्षिण कोरिया को निशाना बनाने के इरादे से विकसित किया गया है। दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ' ने मिसाइल दागे जाने की निंदा की और उसे उकसावे वाला कृत्य बताया और कहा कि इससे कोरियाई प्रायद्वीप में शांति को गंभीर खतरा है।

नाइजीरिया में बाढ़ से 30 लोगों की मौत, लाखों लोग विस्थापित

उत्तर–पूर्व नाइजीरिया में भीषण बाढ़ के कारण 30 लोगों की मौत हो गई और लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मंगलवार को बोर्नो राज्य में एक प्रमुख बांध के टूटने से भीषण बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिसकी वजह से निवासियों को अपने अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थान पर शरण लेनी पड़ी। यही बांध 30 साल पहले भी टूटा था। राज्य सरकार ने कहा कि असामान्य रूप से भारी बारिश के कारण बांध में क्षमता के मुताबिक पर्याप्त पानी भर गया था। नाइजीरिया में दो वर्ष पहले भी भीषण आई थी जिसमें 600 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। राज्य पुलिस के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि बोर्नो राज्य की राजधानी मैदुगुरी का करीब 15 प्रतिशत हिस्सा जलमग्न है। राष्ट्रीय आपात प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता एजेकील मांजो ने बुधवार को बताया कि मृतकों की संख्या 30 है। बोर्नो के गवर्नर के एक सहयोगी ने बताया, '' अब तक बाढ़ से करीब 10 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।'' उन्होंने कहा कि लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा रहा है और विस्थापितों की संख्या बढ़कर 20 लाख पर पहुंच सकती है।

आर्थिक उथल-पुथल से निपटने पर जोर, रूस-यूक्रेन संघर्ष पर भारत की रणनीतिक प्रतिक्रिया

इन दिनों दुनिया रूस–यूक्रेन संघर्ष के दूरगामी प्रभावों से जूझ रही है। इसलिए वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्थाएं दबाव में है। खासकर तेल और यूरिया जैसी आवश्यक वस्तुओं के मामले में ये काफी अहम हो गया है। वहीं भारत की बात करें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने उल्लेखनीय राजकोषीय विवेक का प्रदर्शन किया है। इन चुनौतीपूर्ण समय के बीच कीमतों को प्रबंधित करने और अपने नागरिकों के लिए स्थिरता सुनिश्चित करने का प्रयास किया है। खास बात है कि भारत ने घरेलू आर्थिक संतुलन बनाए रखते हुए इन महत्वपूर्ण संसाधनों के लिए अस्थिर वैश्विक बाजार में सकारात्मक रहते हुए काम किया है।

संघर्ष का ये रहा है प्रभाव

भारत तेल और यूरिया के लिए आयात पर निर्भर है जो इसे वैश्विक व्यवधानों के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील बनाती है। रूस और यूक्रेन, इन वस्तुओं के दोनों प्रमुख आपूर्तिकर्ता, दो वर्षों से अधिक समय से संघर्ष में उलझे हुए हैं। ऐसी स्थिति के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में महत्वपूर्ण व्यवधान पैदा हो रहे हैं और कीमतों में काफी उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहा है। इन चुनौतियों के बावजूद, तेल और यूरिया दोनों के निरंतर प्रवाह को सुनिश्चित करने में भारत के कूटनीतिक प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं।

तेल आयात में उछाल

हाल के आंकड़ों से भारत के तेल आयात स्रोतों में नाटकीय बदलाव आया है। गौरतलब है कि रूस भारत के लिए तेल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। देश के कुल तेल आयात का 20: से अधिक हिस्सा है, जो संघर्ष से पहले केवल 2: से बहुत अधिक वृद्धि है। यह उछाल वैश्विक उथल–पुथल के बीच में स्थिर तेल आपूर्ति बनाए रखने में भारत की कूटनीतिक चालों की सफलता को दर्शाता है। हाल

के महीनों के आयात आँकड़ों से पता चला है कि रूस से तेल आयात में बढ़ोतरी तेजी से हुई है।

उर्वरक आपूर्ति बनाए रखना

इसी तरह भारत के कृषि क्षेत्र के लिए आवश्यक उर्वरक आयात को रणनीतिक वार्ता के जरिए बनाया हुआ है। रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संबंधों को मजबूत करने पर मोदी सरकार का ध्यान रहा है। यही कारण है कि इन महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को बरकरार रखना संभव हो पाया है। वहीं कूटनीतिक प्रयासों ने यह सुनिश्चित किया है कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित करने वाले चल रहे संघर्ष के बावजूद यूरिया आयात में गंभीर व्यवधान नहीं आए।

आर्थिक उपाय और सब्सिडी

वैश्विक स्तर पर बढ़ती कीमतों के जवाब में, मोदी सरकार ने उपभोक्ताओं और किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाने के लिए कई उपाय लागू किए हैं। प्रमुख रणनीतियों में से एक सब्सिडी कार्यक्रमों का विस्तार भी प्रमुख है। तेल सब्सिडी ने पंप पर ईंधन की कीमतों को स्थिर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जबकि यूरिया सब्सिडी ने किसानों के लिए उर्वरक लागत में उल्लेखनीय वृद्धि को रोकने में मदद की है। उल्लेखनीय रूप से, पिछले वर्ष यूरिया के लिए सब्सिडी दोगुनी हो गई है। इस कठिन समय के दौरान कृषि क्षेत्र का समर्थन करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ट्रेड–ऑफ और चुनौतियाँ

हालाँकि, इन सब्सिडी के साथ कई चुनौतियाँ भी जुड़ी हुई हैं। इन सब्सिडी को बनाए रखने के लिए आवंटित पर्याप्त धनराशि को रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक कल्याण जैसे अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों से हटाना पड़ा है। यह समझौता सरकार द्वारा लिए गए कठिन निर्णयों को उजागर करता है, जिसमें लंबे समय के निवेशों की तुलना में छोटे समय के लिए राहत को प्राथमिकता दी गई है। इन सब्सिडी का वित्तीय दबाव व्यापक आर्थिक परिदृश्य में स्पष्ट है, जो विकास के अन्य आवश्यक क्षेत्रों को प्रभावित करता है। गौरतलब है कि राजनयिक चौनलों के माध्यम से तेल और यूरिया की आवश्यक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भारत का दृष्टिकोण गंभीर व्यवधानों से बचने में महत्वपूर्ण रहा है। रूस और यूक्रेन दोनों के साथ मजबूत संबंध बनाए रखते हुए, भारत वैश्विक अनिश्चितता के दौर में अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं को स्थिर करने में कामयाब रहा है। ये अल्पकालिक उपाय प्रभावी रहे हैं, लेकिन मोदी सरकार दीर्घकालिक समाधानों की दिशा में भी काम कर रही है। धीरे–धीरे तेल और यूरिया जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इस रणनीतिक बदलाव का उद्देश्य वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम करना और वैश्विक संघर्षों से जुड़े भविष्य के जोखिमों को कम करना है।

हमास गुफा में घुस गई इजरायल की सेना, 3 मिनट तक दुनिया की अटकी सांसें

इजरायल और हमास के बीच की जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। सुबह ही खबर आई कि मध्य गाजा में संयुक्त राष्ट्र के एक स्कूल और दो घरों पर इजराइली एयर स्ट्राइक में 19 महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 34 लोगों की मौत हो गई। वहीं अब इजरायल पहली बार दुनिया को हैवानों की उस गुफा में लेकर गया है जहां इजरायल के लोगों को बंधक बनाकर रखा गया था। ये गुफा हमास के आतंकियों का सुरक्षित ठिकाना है। तीन मिनट तक इजरायली सेना का अधिकारी 20 मीटर गहरी और 120 मीटर लंबी गुफा में दुनिया को वो सामान दिखाता रहा जो आज तक किसी ने नहीं देखा। 20 मीटर गहरी गुफा का मतलब है कि जमीन से पांच मंजिल

नीचे। इजराइली सेना ने गाजा की उस सुरंग का वीडियो जारी किया है जिसके बारे में उसने कहा है कि हाल में वहां हमास ने छह बंधकों को मार डाला था। वीडियो में जमीन के नीचे संकरा रास्ता दिखता है जिसमें कोई प्रसाधन व्यवस्था नहीं है और वातायन व्यवस्था भी खराब है। पिछले महीने छह बंधकों के शव मिलने से इजराइल में बड़े पैमाने पर गुस्सा फूट पड़ा था। नया वीडियो जारी होने से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर शेष बंधकों को घर लाने के लिए हमास के साथ संघर्षविराम समझौते पर पहुंचने का दबाव बढ़ सकता है। इजराइली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने मंगलवार को कहा कि गाजा सुरंग की फुटेज बंधकों के परिवारों को दिखाई गई और उनके लिए यह देखना बहुत कठिन था कि उनके प्रियजन उन परिस्थितियों में कैसे रहे होंगे।

इजराइली हमला, कम से कम 34 लोगों की मौत

इजराइली सेना ने कहा कि उसने नुसेरात शरणार्थी शिविर स्थित स्कूल के अंदर से हमले की योजना बना रहे हमास के चरमपंथियों को निशाना बनाया। गाजा में युद्ध अब 11वें महीने में प्रवेश कर चुका है, जिसमें हजारों लोग मारे जा चुके हैं। इजराइल और हमास उग्रवादी समूह के बीच युद्धविराम के लिए मध्यस्थता करने के अंतरराष्ट्रीय प्रयास बार–बार बाधित होते रहे हैं। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि इजराइल के हमलों में 19 महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 34 लोग मारे गए।

युद्ध के कारण भारत की अर्थव्यवस्था पर देखने को मिला है दबाव

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है, जो भारत से कई हजार मीलों दूर लड़ा गया है। मगर इस युद्ध के कारण सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर कई आपूर्ति श्रृंख्लाओं को बाधित किया गया है। इसका सर्वाधिक असर ऊर्जा बाजार में देखने को मिला है। यहां भारत के आयात और मुद्रास्फिति पर काफी असर देखने को मिला है। हालाँकि, इन वैश्विक समस्याओं के बाद भी भारत ने अपनी आर्थिक चुनौतियों के प्रबंधन में उल्लेखनीय लचीलापन प्रदर्शित किया है। सरकार ने न केवल मुद्रास्फीति के दबावों से निपटा है, बल्कि रणनीतिक कूटनीतिक प्रयासों और स्मार्ट आर्थिक नीतियों के माध्यम से तेल की कीमतों को अपेक्षाकृत स्थिर भी रखा है।

रूस–यूक्रेन संघर्ष ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित किया

फरवरी 2022 में शुरू हुए रूस–यूक्रेन युद्ध का वैश्विक व्यापार पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। खासकर तेल, गैस, गेहूं और उर्वरक के क्षेत्र में इसका असर दिखा है। रूस दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादकों में से एक है, और जैसे ही पश्चिमी देशों ने उस पर प्रतिबंध लगाए, वैश्विक तेल आपूर्ति कम हो गई। रूसी ऊर्जा पर यूरोपीय देश अधिक निर्भर रहते हैं, जिन्होंने विकल्प खोजने की शुरुआत भी कर दी है। ऐसे में अब वैश्विक स्तर पर मांग और अधिक बढ़ी है। इस कारण कीमतों में भी इजाफा हुआ है। भारत जो लगभग 80 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है, इस व्यवधान ने एक गंभीर आर्थिक खतरा पैदा कर दिया। इन समस्याओं के बाद भी भारत ने युद्ध से उत्पन्न चुनौतियों का कुशलतापूर्वक सामना किया है। वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में उछाल के बाद भी भारत रूस से रियायती दरों में तेल खरीदने में सफल रहा है। इससे कीमतों में बढ़ोतरी का असर कम हुआ है। इसके अतिरिक्त, भारत ने पश्चिम के साथ अपने संबंधों और रूस से महत्वपूर्ण ऊर्जा आयात को बनाए रखा है। इस संतुलन को बनाए रखते हुए ही कूटनीतिक चौनलों का भारत ने बेहतरीन और प्रभावी ढंग से उपयोग किया है। ऐसी कदमों से ये भी सुनिश्चित हुआ है कि भारत में ईंधन की कीमतें बढ़ने के बाद भी ये अन्य देशों की तरह नियंत्रण से बाहर न हो जाएं।

वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत ने तेल की कीमतों को ऐसे किया नियंत्रित

युद्ध के सबसे गंभीर परिणामों में से एक वैश्विक तेल की कीमतों में अस्थिरता रही है। इसमें 70 डॉलर से 120 डॉलर प्रति बैरल के बीच भारी उतार–चढ़ाव देखने को मिला है। ईंधन आयात पर भारी निर्भरता को देखते हुए, इस तरह के मूल्य उतार–चढ़ाव आसानी से भारत में गंभीर मुद्रास्फीति संकट का कारण बन सकते हैं। ईंधन की बढ़ती कीमतों का सीधा असर परिवहन लागत पर होता है। ये विनिर्माण से लेकर कृषि तक लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित करता है। हालांकि, रियायती दरों पर रूसी तेल खरीदने के भारत के रणनीतिक फैसले ने इन झटकों के खिलाफ एक बफर के तौर पर काम किया है। मोदी सरकार ने भी इस मौका का फायदा उठाया है। इसके चलते रूस से तेल आयात को लगभग नगण्य स्तर से बढ़ाकर रूस को भारत के शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ताओं में शुमार है। सोर्सिंग में इस बदलाव से भारत को स्थिर तेल आपूर्ति बनाए रखने में मदद मिली है। राहत देने के लिए भारत सरकार ने कई तरह की ईंधन सब्सिडी की भी शुरुआत की है, जिससे उपभोक्ताओं पर पड़ने वाला बोझ काफी कम हुआ है। हालांकि इन सब्सिडी ने अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों से पैसों को पुनर्निर्देशित किया। उन्होंने मुद्रास्फीति को और भी अधिक बढ़ने से रोका और लाखों भारतीय परिवारों को ईंधन की बढ़ती लागत से बचाया। ये केंद्र सरकार के सुनियोजित दृष्टिकोण का ही परिणाम है कि मुद्रास्फीति, जो अभी भी चिंता का विषय है, ऐसे स्तर तक न पहुंचे जो अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर दे।

गाजा में संयुक्त राष्ट्र के स्कूल, घरों पर इजराइली हमला, कम से कम 34 लोगों की मौत

मध्य गाजा में संयुक्त राष्ट्र के एक स्कूल और दो घरों पर बुधवार को इजराइली हवाई हमले में 19 महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 34 लोग मारे गए। अस्पताल अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस स्कूल में विस्थापित फलस्तीनियों ने शरण ले रखी थी। इजराइली सेना ने कहा कि उसने नुसेरात शरणार्थी शिविर स्थित स्कूल के अंदर से हमले की योजना बना रहे हमास के चरमपंथियों को निशाना बनाया। गाजा में युद्ध अब 11वें महीने में प्रवेश कर चुका है, जिसमें हजारों लोग मारे जा चुके हैं। इजराइल और हमास उग्रवादी समूह के बीच युद्धविराम के लिए मध्यस्थता करने के अंतरराष्ट्रीय प्रयास बार–बार बाधित होते रहे हैं। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि इजराइल के हमलों में 19 महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 34 लोग मारे गए।

वियतनाम में सुपर टाइफून 'यागी' तूफान का कहर, मरने वालों की संख्या 200 तक पहुंची

वियतनाम में टाइफून यागी और उसके बाद भारी बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या गुरुवार को लगभग 200 हो गई, जबकि स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, विनाशकारी तूफान के बाद 125 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं। वियतनाम के वीएनएक्सप्रेस अखबार ने बताया कि अब तक 197 लोग मारे गए हैं और 800 से अधिक घायल हुए हैं जबकि 128 अन्य लापता हैं। राजधानी हनोई में, रेड नदी से बाढ़ का पानी थोड़ा कम हुआ है लेकिन कई इलाके अभी भी जलमग्न हैं। लोग ताई हो जिले की एक सड़क पर जाने के लिए अपने घुटनों से ऊपर गंदे भूरे पानी से होकर गुजरे और व्यापक विनाश के दृश्यों के बीच कुछ लोग छोटी नावों में सड़क पर चल रहे थे। हनोई में बाढ़ कथित तौर पर दो दशकों में सबसे भीषण बाढ़ है, और इसके कारण बड़े पैमाने पर निकासी हुई है। सप्ताह की शुरुआत में मरने वालों की संख्या में वृद्धि हुई जब मंगलवार को उत्तरी वियतनाम के लाओ काई प्रांत में लैंग नु की पूरी बस्ती अचानक बाढ़ में बह गई। जीवित बचे लोगों की तलाश के लिए सैकड़ों बचाव कर्मियों ने बुधवार को अथक प्रयास किया, लेकिन गुरुवार सुबह तक 53 ग्रामीण लापता थे, जबकि सात और शव मिले, जिससे वहां मरने वालों की संख्या 42 हो गई। यागी दशकों में दक्षिण पूर्व एशियाई देश में आया सबसे शक्तिशाली तूफान था। यह शनिवार को 149 किलोमीटर प्रति घंटे (92 मील प्रति घंटे) की रफ्तार वाली हवाओं के साथ पहुंचा। रविवार को कमजोर पड़ने के बावजूद बारिश जारी रही और नदियाँ खतरनाक स्तर पर बनी हुई हैं। अधिकांश मौतें बाढ़ और भूस्खलन के कारण हुई हैं, जिनमें से कई चीन की सीमा से लगे उत्तर–पश्चिमी लाओ काई प्रांत में हुई हैं, जहां लैंग नु स्थित है।

भारतीय मूल के 24 वर्षीय इसाइली सैनिक की हत्या की गई, वेस्ट बैंक के पास वारदात को दिया गया अंजाम

यरूशलम। इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष को अब एक साल होने वाले हैं, लेकिन तनाव अभी भी कम नहीं हुआ। इस संघर्ष के बीच 24 वर्षीय भारतीय मूल के इस्राइली सैनिक की हत्या कर दी गई। बेनी मेनाशे समुदाय के स्टाफ सार्जेंट गेरी गिदोन हंगल की वेस्ट बैंक की बीट एल बस्ती में वाहन से टक्कर मारकर हत्या कर दी गई। स्टाफ सार्जेंट गेरी गिदोन हंगहल नोफ हागालिल के निवासी थे और केफिर ब्रिगेड की नहशोन बटालियन में सैनिक थे। समुदाय के सदस्यों ने कहा कि वे युवा सैनिक की मौत की खबर से आश्चर्यचकित हैं। उन्होंने बताया कि हंगल का अंतिम संस्कार गुरुवार को होगा। हंगल पूर्वोत्तर भारत के रहने वाले थे और 2020 में इस्राइल में आकर बस गए थे। लगभग 300 बेनी मेनाशी समुदाय के युवा वर्तमान में जारी संघर्ष में सेना की ड्यूटी कर रहे हैं। ऐसा कहा जाता है कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों मणिपुर और मिजोरम के रहने वाले बेनी मेनाशे इस्राइली जनजाति मेनासे के वंशज हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।